



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५] नई विल्सो, शनिवार, फरवरी ३, १९७९ (माघ १४, १९००)
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 3, 1979 (MAGHA 14, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० ए० 12019/2/78-प्रणा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एन्डद्वारा इस कार्यालय के स्थायी अनुमन्धान सहायक (हिन्दी) श्रीमती मुधा भार्गव तथा श्री चन्द्र किण्ण को कनिष्ठ अनुमन्धान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थे आधार पर 2-1-1979 से 28-2-1979 तक की अवधि के अवधा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

ए० सं० बालचन्द्रन

अवर सचिव

कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय, कै० रि० प० बन

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० ओ० दो० 1032/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्सनाभाई नायक को 27-11-1978 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये, अधवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो,

उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थे रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-1103/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर बी० कृष्ण प्रसाद को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (डी० ए० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 7 दिसम्बर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० ओ० दो०-1092/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर ईश्वर दयाल को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (डी० ए० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 25 मित्सबर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1101/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर गनेश कुमार देवरी को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (डी० ए० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 11 नवम्बर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० ओ० दो०-1097/स्थापन —राष्ट्रपति, डाक्टर हरीदास मुंजाजी पाटिल को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने

तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० एस० शी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 6 अक्टूबर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्दोपाध्याय
महाथक निदेशक (प्रशासन)

कार्य प्रबंध सू० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० ए-19036/36/78-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सम्बन्ध दी गई तिथि में श्रगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

सर्वश्री

1. एस० पी० मिह	. . .	15-12-78 (पूर्वाह्न)
2. ज० एस० वराहच	. . .	15-12-78 (पूर्वाह्न)
3. एच० सी० मिह	. . .	23-12-78 (पूर्वाह्न)

जरनेल मिह

प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

नई दिल्ली, विनांक 10 जनवरी 1979

सं० पी०-4/73-प्रशा०-५—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुनर्नियुक्ति की छह महीने की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री पी० वी० हिंगोरानी ने दिनांक 31-12-78 के अपराह्न में अपराह्न निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया।

के० के० पुरी
उप निदेशक (प्रशासन)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय ग्रौथोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० ई-38013(2)/1/78-कार्मिक—मद्रास में स्थानांतरित होने पर, श्री एल० एम० देवामहायम ने दिनांक 12 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० आर० सेण्टर, श्रीहारी कोटा रेंज के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(2)/1/78-कार्मिक—मद्रास में स्थानांतरित होने पर, मेजर आर० सी० रमेया, ने दिनांक 22 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० आर० सेण्टर, श्रीहारी कोटा रेंज, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० प्रशासन-1/का० आ० 469/5-5/पदोन्नति/78-79/
2104—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, एतद्वारा 1 जनवरी, 1979 से श्रगले आदेश तक लेखा अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या नाम

1. श्री आर० वी० ए८ अग्रवाल

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

सं० —महालेखाकार गुजरात ने अधीन लेखा-सेवा के निम्नलिखित स्थायी भवस्यों को उनकी नामावली के भास्ते दर्शाएं गए दिनांक से लेकर श्रगले आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

1. श्रीटी० ए० सुब्रह्मण्यन	23-11-78	(पूर्वाह्न)
2. श्रीपी० आर्ट० चौकसी	"	"
3. श्रीएन० जे० मेहता	"	"
4. श्रीएम० रामचन्द्रन	"	"
5. श्रीपी० जी० राजामणी	"	"
6. श्रीआर० जी० नायर	"	"
7. श्रीएच० एस० दनाक	27-11-78	"
8. श्रीवी० एन० त्रिवेदी	23-11-78	"
9. श्रीवी० एम० शाह	"	"

के० पी० लक्ष्मण राव
उप महालेखाकार (प्रशासन)
महालेखाकार कार्यालय, गुजरात,
अहमदाबाद

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय,
बम्बई 400020, दिनांक 28 दिसम्बर 1978

सं० —महालेखाकार महाराष्ट्र-1
अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्बन्ध निर्दिष्ट किए गए दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम	दिनांक
1. श्री आर० जी० बेट्टीगिरी	21-10-78	अपराह्न
2. श्री जी० वी० सरदेशमाली	28-10-78	पूर्वाह्न
3. श्रीपी० टी० ढोने	1-11-78	"

क्रमांक	नाम	दिनांक	
4.	श्री एम० एम० कुलकर्णी	1-12-78	पूर्वाह्नि
5.	श्री डॉ आर० जिराले	1-12-78	पूर्वाह्नि

हस्ताक्षर अस्पष्ट
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय

महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर० रंगनाथन-1 को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 इ० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 1-1-79 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ महस्यों के द्वावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखर्जी
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक
नई दिल्ली-110022, दिनांक 27 दिसम्बर 1978

सं० 44016 (1)/73-प्रश०-11—राष्ट्रपति, अन्तर्रिम उपाय के रूप में, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपमे 2000-125/2-2250) के प्रवरण ग्रेड में, स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थं आधार पर उनके नाम के सामने लिखी हुई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं	नाम	पदोन्नति का तारीख
सर्वश्री		
1. आर० एन० स्यागी	20-12-78 (पूर्वाह्नि)	
2. के० सम्पथ कुमार	20-12-78 (पूर्वाह्नि)	
3. बी० स्वामीनाथन	20-12-78 (पूर्वाह्नि)	

आर० एल० बड़शी
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मन्त्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां
कलकत्ता, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० 1/79/जी—राष्ट्रपतिजी, श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, दिनांक 6-9-1978 (पूर्वाह्नि) से नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक

उच्चम सन्तालप

ओद्योगिक विकास विभाग

वस्तु आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 6 जनवरी 1979

सं० इ० एस० टी० 1-2 (432)—वस्तु आयुक्त कार्यालय बम्बई के अपर वस्तु आयुक्त डा० कस्तूरी अव्यंगार नरसिंहन मेवानिवृति की आयु प्राप्त करलेने पर 31 दिसम्बर 1978 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गा।

एम० सी० सुवर्णा
वस्तु आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० प्र०-1/1 (1068)—अवर प्रगति अधिकारी के पद पर अवनति होने पर मर्वश्री देवराज और एम० एम० मांशो ने 30-12-78 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रड II) का पद भार छोड़ दिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

सं० प्र०-6/247(298)—निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री जी० एम० रखीजा निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-10-78 (प्रपराह्न) से अपनी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-6/247/(345)—निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थायी निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री एम० एस० नायक निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-10-78 (प्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० ए-17011/115/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान के निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री बी० के० आर्य को दिनांक 2-12-78 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के रूप में तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए-17011/46/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, मई दिल्ली में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री आर० के० दामगुप्ता को दिनांक 12-12-1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में महायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए-17011/147/78-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान के निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री पी० एन० फागडे को दिनांक 30-11-78 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी कार्यालय में महायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मन्त्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

सं० ई-12 (89)/75 (.)—वार्डक्य की आयु प्राप्त कर श्री बी० बी० विश्वास सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 30 नवम्बर, 1978 के अपराह्न काल से सेवा निवृत्त हो रहे हैं।

दिनांक 4 जनवरी 1979

सं० ऐडमिन० पी० एफ० (421) (.)—वार्डक्य की आयु प्राप्त कर श्री जे० एम० मान्याल, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 दिसम्बर, 1978 के अपराह्न काल से सेवा निवृत्त हो रहे हैं।

एस० के० वसु,
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० गो०-5455/718-ए—श्री० के० बी० कृष्णामूर्ति, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक (वरिष्ठ ग्रेड) सर्वेक्षण प्रशिक्षण एवं मानचित्र उत्पादन केन्द्र, हैदराबाद को सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० के० से० ग्रुप बी० पद पर श्री वा० खुमा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, (तदर्थ आधार) जो दिनांक 12-12-78 से 39 दिन के अंतिम अवकाश पर चले गए हैं के

स्थान पर 840 रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1000-द० गो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 12-12-78 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला
भेजर-जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1979

सं० 10/2/78-एम० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री दीपक कुमार दत्ता को दिनांक 1-11-78 से अगले आदेशों तक उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, चिन्सुरा में अस्थायी आधार पर महायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 10/9/78-एम० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री अरविन्द नारायण दीक्षित को दिनांक 13-10-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक आकाशवाणी, कलकत्ता में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरजीत मिहू
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० 7 (181)/58-एम-1—श्री यू० कृष्णमूर्ति, कार्यक्रम निपादक, आकाशवाणी, हैदराबाद सर्वानिवृत्ति की आयु प्राप्त हो जाने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1978 अपराह्न की सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

ए० के० बोम
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रमारण मन्त्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1978

सं० ए-38013/1/79-स्थापना—सर्वानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर इस निदेशालय के श्री के० एल० चन्द्रोक, मुमर-बाइजर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) में मरकारी सेवा से रिटायर हो गए हैं।

श्री० देवासर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० ए० 12025/1/78 (एच० बृ०) /प्रशासन-1—राष्ट्र-पति ने होम्प्रोपैथिक फार्माकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद में रसायनज्ञ के पद पर काम कर रहे श्री बी० के० मक्सेना को 20 दिसम्बर 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक महानिदेशक (भण्डार) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं० ए० 32014/4/78 (एम० जे०) /प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के महायक प्रशासन अधिकारी श्री जमवन्त राम को 26 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उभी अस्पताल में स्टोर अधिकारी के पद पर तदर्थ प्राधार पर नियुक्त किया है। स्टोर अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री जमवन्त राम ने उसी दिन मक्सदरजंग अस्पताल से महायक प्रशासन अधिकारी के पद का कायभार छोड़ दिया है।

श्राम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० ए० 31014/5/78-प्र० I—कृषि विषयन सलाहकार भारत सरकार, श्री बी० ए० सरनोबत को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय में मुख्य रसायनज्ञ के स्थाई पद पर मूलझप में दिनांक 16-5-1976 से नियुक्त करते हैं।

श्री सरनोबत का विषयन अधिकारी (वर्ग III) पर ग्रहण-धिकार मुख्य रसायनज्ञ के पद पर स्थाई होने की तारीख से समाप्त हो जाएगा।

जे० एस० उपप्र
कृषि विषयन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० ए० 19024/5/78-प्र० III—मुख्य रसायनज्ञ के पद पर श्री चन्द्र प्रकाश की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक, 31-3-79 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० ए० 19025/65/78-प्र० III—सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों को

अल्पकालीन नियुक्ति को 31-3-1979 तक या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध होने हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

सर्वथी

1. राम गढ़ गिह
2. बी० एन० के० मिन्हा
3. ए० एन० राव
4. रामबीर सिंह यादव
5. एम० पी० मिह
6. एच० एन० राय
7. डी० एन० राव
8. एम० पी० शिवदे
9. रमेश चन्द्र मुंशी
10. के० के० तिवारी
11. एम० के० मत्तिक
12. एम० डी० काठलकर
13. आर० के० पांडे
14. एम० जे० मोहन राव
15. कृष्ण कुमार मिह मिरोही
16. श्रीमती अनुसूया शिवराजन
17. पी० ई० एडविन
18. एम० पी० सक्सेना
19. नन्द गोपाल शुक्ल
20. रमेश चन्द्र मिथल
21. एच० एन० शुक्ल
22. के० जी० वाघ
23. एम० सूर्योनारायण मूर्ति
24. बी० एल० वेराधर
25. गलिग्राम शुक्ल
26. एम० सी० बजाज
27. एन० एस० चलायति राव
28. के० जयनन्दन

सं० ए० 19025/75/78-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एस० टी० राजा जी अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, को दिनांक 25-11-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/111/78-प्र० III—श्री शाहिद अहमद शमसी, वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 29-12-78 (अपराह्न) से 31-3-79 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) पदोन्नत किया गया है।

बी० एल० मनिहार

निदेशक, प्रशासन

कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 8 दिसम्बर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/३ (285)/76-प्रशासन/16560—
विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक,
भारत परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक
तथा इस प्रभाग के स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी०
तांडे को 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से 30 दिसम्बर, 1978 के
अपराह्न तक इसी प्रभाग में अस्थायी रूप से लेखा अधिकारी-II
नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री सी० आर० वालिया, लेखा
अधिकारी-II जो छट्टटी पर गये हैं, के स्थान पर की गई है।

दिनांक 28 दिसम्बर, 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/३ (333)/78-प्रशासन/17170—
विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भूत-
पूर्व सैनिक श्री सी० कृष्णन को 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न
से ग्रामीण आदेश तक के लिये इसी प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक
अधिकारी/इंजीनियर-प्रेड 'एम० बी०' (परिवहन अधिकारी)
नियुक्त करते हैं।

बी० बी० थाटे
प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिक्षा

हैदराबाद-500 762, दिनांक 15 दिसम्बर 1978

आदेश

सं० ना० ई० म०/प्रशा०-5/20/2081—जब कि, श्री ओमर
अन्सारी, नाभिकीय ईंधन समिक्षा में फायरमैन के रूप में कार्य
करते हुए इयूटी से 20-5-1978 से गैरकानूनी ढंग से गैर-
हाजिर हैं,

और जब कि, ना ई स ज्ञापन सं० ना ई स/प्रशा०-2/ओ-4/
एफ० एम०/2051 दिनांक 13-9-1978 जिसमें उक्त श्री
ओमर अन्सारी को इयूटी पर लौटने का निर्देश दिया गया था
और जो उक्त श्री अन्सारी के डी० ए० ई० हाउर्सिंग कालोनी,
हैदराबाद, के उनके अन्तिम ज्ञात पते (क्वाटर सं० सी०-2/3)
पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजा गया था, वो डाक विभाग
द्वारा टिप्पणी "वितरण स्थान से निरन्तर गैरहाजिर" के साथ
बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया।

और जब कि, ना ई स ज्ञापन सं० ना ई स/प्रशा०-2/ओ-4/
2786 दिनांक 4-11-1978 जिसमें उक्त श्री अन्सारी को
इयूटी पर तुरन्त लौटने का निर्देश दिया गया था जो उनके स्थायी
पते मकान सं० 23-5-89, सैयद अली चबूतरा, शाह अली
बंडा, हैदराबाद, पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजा गया था
वो भी डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "चले गए" के साथ बिना
वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

और जब कि, उपर्युक्त पैरा में उल्लिखित दिनांक 4-11-78
का ज्ञापन जो उक्त श्री अन्सारी के उनके डी० ए० ई० हाउर्सिंग
कालोनी के अन्तिम ज्ञात पते पर 24-11-78 को पंजीकृत
डाक से पावती सहित भेजा गया था वो भी डाक विभाग द्वारा
टिप्पणी "आसामी निरंतर गैरहाजिर इसीलिए भेजने वाले को
लौटाया जाता है" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया
गया,

और जब कि, उक्त श्री अन्सारी इयूटी से निरंतर गैरहाजिर
रहे तथा ना ई स को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

और जब कि, उक्त श्री अन्सारी बिना आज्ञा के इयूटी से
गैर हाजिर रहने तथा अपनी मर्जी से सेवा का त्याग करने के
अपराधी हैं,

और जब कि, अपने बारे में ना ई स को बिना कुछ बताए
सेवा का त्याग करने के कारण, निम्नहस्ताक्षर कर्ता इससे संतुष्ट
है कि ना ई स के स्थायी आदेशों के पैरा 41 तथा/या सी० सी०
एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 14 के अन्तर्गत
उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना अवहारोचत नहीं है,

जब इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर कर्ता ना ई स के स्थायी
आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश
सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी०
एस० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19
(II) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री
ओमर अन्सारी को सेवा से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करते हैं।

दिनांक 6 जनवरी 1979

आदेश

सं० ना ई स/प्रशा०-5/20/—जब कि यह आरोपित है कि
श्री डी० कृष्णा, मददगार 'बी', एम० ई० एस०, के रूप में
सेवारत रहते हुए बिना किसी अनुमति के इयूटी से आदेश
गैरहाजिर रह कर काम को धृति पहुंचा रहे हैं। उक्त श्री
कृष्णा, आदेश सं० ना ई स/प्रशा०-5/20/के-95/2090
दिनांक 28-9-1977 द्वारा उन पर आरोपित 4 दिन के
बिना वेतन के निलंबन के जुमनि के बावजूद अक्तूबर व
नवम्बर 1977 में दो बार गैर हाजिर रहे हैं।
उक्त श्री कृष्णा 10-11-1977 से बिना किसी पूर्व अनुमति
या सूचना के इयूटी से निरन्तर गैरहाजिर है।

और जब कि, निम्न हस्ताक्षर कर्ता द्वारा 18-12-1977 को
उक्त श्री कृष्णा को एक ज्ञापन जारी कर यह सूचित किया गया कि
वहि वे आरोपों को अस्वीकार करते हैं तो, उनके विरुद्ध गैर-
कानूनी गैरहाजिर रहने के हुराचार के लिए जांच आयोजित करने
का प्रस्ताव है,

और जब कि, 18-12-1977 का उपर्युक्त ज्ञापन उक्त श्री
कृष्णा द्वारा 22-12-1977 को प्राप्त कर लिया गया था किन्तु
वे उक्त ज्ञापन के जवाब में कोई प्रतिनिधित्व दखिल करने में
असफल रहे,

और जब कि, आरोपों की जांच के लिए जांच अधिकारी को नियुक्त करने वाले दिनांक 30-1-1978 के आदेश की एक प्रति जो उक्त श्री कृष्णा को भेजी गई थी उनके द्वारा 1-2-1978 को प्राप्त कर ली गई,

और जब कि जांच अधिकारी द्वारा उक्त श्री कृष्णा को 10-6-1978 व 14-11-1978 को भेजी गई नोटिसें जिसमें उन्हें जांच के लिए उपस्थित होने को कहा गया था वे डाक विभाग द्वारा टिप्पणियों क्रमशः 'जले गए' व 'बिना सूचना के छले गए' के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गईं,

और जब कि उक्त श्री कृष्णा निरन्तर गैर हाजिर रहे, तथा ना ईस को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री कृष्णा गैर कानूनी ढंग से गैरहाजिर रहने व अपनी मर्जी से सेवा का त्याग करने में अपराधी हैं।

और जब कि अपने बारे में ना ईस को बिना कुछ बताए सेवा का त्याग करने के कारण निम्न हस्ताक्षर कर्ता इससे सन्तुष्ट हैं कि ना ईस के स्थायी आदेशों में विनिर्दिष्ट तथा/या ए० सी० ए० स० (सी० सी० ए०) नियमों 1965 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

अब इसीलिए निम्नहस्ताक्षरकर्ता ना ईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० ए० स० (सी० सी० ए०) नियमों 1965 के नियम 19 () में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री कृष्णा को तत्काल प्रभाव से सेवा में बख्तिकरण करते हैं।

पी० उक्तीकृष्णन
वरिष्ठ प्रणाली अधिकारी

हैदराबाद-500762, दिनांक 18 फरवरी 1978

आदेश

सं० ना ई स/प्रशा-5/20—जब कि श्री वी० श्याम प्रसाद, कारीगर 'सी', एम० ई० ए० स०, के स्वप्न में कार्य करते हुए उन्हें मंजूर 22-1-1978 से 7-2-1978 तक की छुट्टी समाप्त होते ही ड्यूटी पर लौटने में असफल रहे तथा बिना पूर्व अनुमति के निरन्तर गैर हाजिर हैं,

2. और जब कि उक्त श्री श्याम प्रसाद ने दिनांक 1-3-78 का अपना त्यागपत्र भेजा जो ना ईस में 22-3-1978 को प्राप्त हुआ जिसमें, नियुक्ति की शर्तों के मुताबिक आवश्यक तीन महीने की नोटिस नहीं दी गई थी,

3. और जब कि त्यागपत्र मंजूर न होने पर भी उक्त श्री श्याम प्रसाद ड्यूटी पर नहीं लौटे,

4. और जब कि ना ई स ज्ञापन सं० प्रशा-4/पी-41/ए० ई० ए०/627 दिनांक 30-3-1978 के द्वारा उक्त श्री श्याम प्रसाद को यह बताया गया कि उन्हें तीन महीने की नोटिस या उसके बदले में तीन महीने का वेतन देना होगा, तथा यह कि उनका

त्यागपत्र तक तक मंजूर नहीं किया जाएगा तब तक कि वे उनके नाम पर अकाया विभिन्न रकमों को सरकार के पास जमा नहीं कर देते हैं। यह ज्ञापन जो उनके मिकन्दराबाद के अन्तिम ज्ञात पते पर भेजा गया था डाक विभाग द्वारा आमामी 'जले गए' की टिप्पणी के माथ वापिस लौटा दिया गया।

5. और जब कि उपर्युक्त पैरा में उल्लिखित 30-3-1978 का ज्ञापन जो उक्त श्री श्याम प्रसाद के डोवालेश्वरम के अन्तिम ज्ञात पते पर फिर से भेजा गया था वो भी डाक विभाग की "टिप्पणी इस पते बाला डोलालेश्वरम में नहीं रहता है" के माथ वापिस लौटा दिया गया।

6. और जब कि उक्त श्री श्याम प्रसाद ना ईस को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

7. और जब कि उक्त श्री श्याम प्रसाद छुट्टी समाप्त होने पर ड्यूटी पर पुनः न लौटने तथा सेवा का अपनी मर्जी से त्याग करने के अपराधी हैं, जब कि उनका त्यागपत्र मंजूर नहीं किया था,

8. और जब कि अपने बारे में कुछ बताने में असफल रहने व ना ईस को बिना बताए भेजा का त्याग करने के कारण निम्न-हस्ताक्षर कर्ता इससे मन्तुष्ट हैं कि ना ईस के स्थायी आदेशों के पैरा 49 तथा/या सी० सी० ए० स० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 14 के अन्तर्गत उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

9. अब इसीलिए, निम्नहस्ताक्षर वर्ता ना ईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 व पैरा 48.2 के प्रथम वाक्य तथा/या सी० सी० ए० स० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19 (ii) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री श्याम प्रसाद को तत्काल प्रभाव से सेवा में अलग करते हैं।

दिनांक जनवरी 1979

सं० ना ई स/प्रशा/20/—जब कि श्री सी० रामकृष्ण, कारीगर, 'सी', एम० ई० ए० स०, ना० ई० भ०, के रूप में कार्य करते हुए 31-1-1978 (माप्ताहिक छुट्टी) सहित 20-1-78 से 30-1-1978 तक उन्हें मंजूर की गई व (नौ) दिन की छुट्टी समाप्त होने पर ड्यूटी पर पुनः लौटने में असमर्थ रहे,

और जब कि, ना० ई० स० ज्ञापन सं० ना ई स/प्रशा०-4/ए० ई० ए०/प्रा०-342/2927 दिनांक 15-11-1978 जिसमें उक्त श्री रामकृष्णा को तुरन्त ड्यूटी पर लौटने का निर्देश दिया गया था और जो उनके अन्तिम ज्ञात पते मकान सं० 1098, ए० आर० टी०, मनतनगर, हैदराबाद और माथ ही उनके गूहनगर के पते—मार्फत स्वर्गीय सी० वेंकटप्पा, मरडापल्ली, पूर्वी कोतापेठ, चितूर जिला, परंपर्जीकृत डाक से पावती सहित भेजे गए थे वे डाक विभाग की टिप्पणियों क्रमशः "जले गए" व "मालूम नहीं" के माथ वापिस लौटा दिए गए,

और जब कि, उक्त श्री रामकृष्णा ड्यूटी से निरन्तर गैर हाजिर रहे तथा ना ईस को अपने बारे में कुछ भी बताने में असफल रहे,

और जब कि, उक्त श्री रामकृष्ण सुट्टी समाप्त होने पर इयूटी पर न लौटने तथा अपनी मर्जी से मेवा का त्याग करने के अपराधी हैं,

और जब कि, अपने बारे में ना० ई० म० को बिना कुछ बताए मेवा का त्याग करने के कारण निम्नहस्ताक्षर कर्ता उसे मनुष्ट है कि ना० ई० म० के स्थायी आदेशों के पैरा 41 तथा/या सी० सी० ए० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 14 के अन्तर्गत, उनके विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

अब इसी लिए, निम्नहस्ताक्षर कर्ता ना० ई० म० के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के माथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश म० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० ए० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19 (ii) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री सी० रामकृष्ण को तत्काल प्रभाव से बख्स्त करते हैं।

दिनांक 9, जनवरी 1979

सं० ना० ई० स/प्रशा०-5/20/—जब कि श्री एन० शिवरामन, कारीगर 'सी', एफ० एफ० फी०, बिना अनुमति के 15-2-78 से इयूटी से गैरहाजिर रहे हैं,

और जब कि, ज्ञापन सं० प्रशा०-4/एफ० एफ०/ए०-25/2032 दिनांक 8 सितम्बर, 1978 के द्वारा उक्त श्री शिवरामन को तुरन्त इयूटी पर आने का निर्देश दिया गया था,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन के अन्तिम ज्ञात स्थानीय पते मकान सं० 4-7-699 ईसामियां बाजार, हैदराबाद पर दिनांक 8 सितम्बर 1978 के उपर्युक्त ज्ञापन की एक प्रति जो पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजी गई थी उसकी 23-9-1978 को पावती भेजी गई,

और जब कि दिनांक 8 सितम्बर 1978 के उपर्युक्त ज्ञापन की एक प्रति जो उक्त श्री शिवरामन के गृहनगर के पते—कुशधिरायल हाउस, पोशाजे, केरल पर पंजीकृत डाक से भेजी गई थी उसकी 23-9-1978 को पावती भेजी गई,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन को उनकी गैरहाजिरी के विश्व जांच आयोजित करने के प्रस्ताव बाला ज्ञापन सं० ना० ई० स/प्रशा०-5/20/1951 दिनांक 26 नवम्बर 1978, जो उनके अन्तिम ज्ञात स्थानीय पते मकान सं० 4-7-699, ईसामियां बाजार, हैदराबाद पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजा गया था वो टिप्पणी "चले गए" के माथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

और जब कि दिनांक 26 नवम्बर 1978 के उपर्युक्त ज्ञापन की एक प्रति जो उक्त श्री शिवरामन के स्थायी पते—कुशधिरायल हाउस, पोशाजे, केरल पर पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजी गई थी वो भी टिप्पणी "मालूम नहीं" के माथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन निरन्तर गैरहाजिर रहे तथा ना० ई० से अपने बारे में कुछ भी जताने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री शिवरामन अपनी मर्जी से मेवा का त्याग करने के अपराधी हैं,

और जब कि अपने बारे में ना० ई० से बिना कुछ बताए मेवा का त्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इसमें मनुष्ट है कि ना० ई० से स्थायी आदेशों के पैरा 41 तथा/या सी० सी० ए० (सी० सी० ए०) नियमों 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

और अब, इसीलिए, निम्नहस्ताक्षर कर्ता ना० ई० से स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० ए० (सी० सी० ए०) नियमों 1965, के नियम 19 (II) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री एन० शिवरामन को तत्काल प्रभाव से बख्स्त करते हैं।

एच० सी० कटियार
उप मुख्य कार्यपालक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1979

सं० ए० 12034/4/78-ई० ए०—श्री आर० डी० नायर, विमान अधिकारी, बम्बई विमानक्षेत्र, बम्बई ने निवृत्त आय प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी मेवा से निवृत्त होने पर 31 दिसम्बर, 1978 (प्रपरात्र) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

ह० ल० कोहली
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1979

सं० ए० 32014/1/76-ई० डब्ल्यू—महानिदेशक नागर विमानन श्री ए० सुब्रह्मण्यम की सहायक विश्व एवं यांत्रिक अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 1-10-78 से 30-11-78 तक की अवधि के लिए जारी करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 जनवरी, 1979

सं० ए० 32014/1/76-ई० डब्ल्यू—नागर विमानन के महानिदेशक श्री ए० सुब्रह्मण्यम को 1 दिसम्बर, 1978 में और अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक विश्व एवं यांत्रिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जनवरी, 1979

सं० ए० 32013/15/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर के सहायक तकनीकी अधिकारी, श्री बी० ए० अहलवालिया को दिनांक 29-11-78 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन पालम पर तैनात किया है।

स्थ देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 जनवरी 1979

सं० 1/237/78-स्था०—मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी महापक्ष प्रशासन अधिकारी, श्री एम० बी० किनि, 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 1/369/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री भगत सिंह को अल्पकालिक वाली जगह पर 30-7-77 से 15-11-77 (दोनों दिनों को मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर और 28 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मद्रास शाखा में नियमित आधार पर उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/407/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता के वरिष्ठ कार्यदेशक (फोरमैन) श्री ए० के० साहा को 17 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य यांत्रिकी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/430/78-स्था०—एतद्वारा देहरादून शाखा के अधीक्षक, श्री नारायण सिंह को अल्पकालिक खाली जगह पर 21 जूलाई, 1978 से 26 अगस्त, 1978 (दोनों दिनों को मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से बिल्कुल तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नाथर,
निदेशक (प्रशा०),
कृते महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० 16/300/78-स्थापना-१—अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एस० एस० रावत, कार्यालय अधीक्षक, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, को दिनांक 11 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से इगले आदेशों तक, उसी कार्यालय में अस्थाई रूप से महर्ष सहायक कुल सचिव नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन,
कुल सचिव

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहरतालय

कानपुर, दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० 35/78—श्री बी० चतुर्वेदी स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक एम० ओ० आर० 12 कानपुर द्वितीय खण्ड के पद का कार्यभार दिनांक 31-7-78 2-446G178

अपराह्न श्री ए० के० खुल्लर को सौप दिया और अधिवर्षित की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा में दिनांक 31-7-78 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 20 दिसम्बर 1978

सं० 49/78—श्री एन० एन० माथुर, पृष्ठ अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने एम० ओ० आर० चार० मोदीनगर के पद का कार्यभार दिनांक 30-10-78 अपराह्न श्री एम० एन० माथुर को सौप दिया और अधिवर्षित को आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा में दिनांक 30-10-78 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० 52/78—श्री एम० एन० जेठवानी, पृष्ठ सहायक मुख्य लेखाधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर ने सहायक मुख्य लेखाधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 30-11-78 अपराह्न को श्री के० के० दुबे, सहायक मुख्य लेखाधिकारी, के० उ० शु० कानपुर को दे दिया और अधिवर्षित की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-78 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 55/78—श्री एम० डी० गुरुना स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) को श्री के० एन० गीतम अधीक्षक वर्ग 'ख' कानपुर को सौप दिया और अधिवर्षित की आयु प्राप्त होने पर उरकारी सेवा से दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 2 जनवरी 1979

सं० 1/79—श्री रामतीर्थ निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35 880-40-1000 द० रो० 40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठाँकन प० सं० 11/22-स्था०/78/27386 दिनांक 1-6-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/149/78 दिनांक 1-6-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर-१ के पद का कार्यभार दिनांक 16-8-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 3/79—श्री शंकर लाल निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठाँकन प० सं० 11/22-स्था०/78/27486 दिनांक 1-6-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश मं० 1/ए/149/1978 दिनांक अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' सहारनपुर के पद का कार्यभार दिनांक 12-6-1978 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया।

दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० 4/79—श्री हरि राज मिह, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ब' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिये इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22 स्था०/78/52941 दिनांक 28-11-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश मं० 1/ए/392/78 दिनांक 28-11-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, एम० ओ० आर० शिकोहाबाद-1 के पद का कार्यभार दिनांक 20-12-78 (पूर्वान्तर) को ग्रहण किया।

कृ० ल० रेखी,
समाहत्ती

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1979

सं० 27-ई०/एम०/(80)/77-ई० सी०-2—श्री आई० टी० ममतानी, कार्यपालक इंजीनियर, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली का दिनांक 4-1-1979 को निधन हो गया।

सु० सू० प्रकाश रात्र,
प्रकाशन उपनिदेशक
हते निर्माण महानिदेशक

दक्षिण पूर्व रेलवे
कार्यालय, महाप्रबन्धक,

कलकत्ता-43, दिनांक 5 जनवरी 1979

सं०पी०/जी०/14/300 सी०—श्री के०के० दास का पृष्ठीकरण भंडार विभाग में सहायक भण्डार नियंत्रक (श्रेणी II) के रूप में दिनांक 2 अक्टूबर, 1969 से किया जा रहा है।

मोहन्नवर सिंह गुजराल,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स सिनटर्ड मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

सं० 12093/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स सिनटर्ड मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्पित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स स्टिलवेल सर्जिकल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 4594—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स सर्जिकल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्पित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० सी० गुप्ता,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1979

मेसर्स क्लेसिम इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 23-5-1978 के आदेश से मेसर्स क्लेसिम इण्डस्ट्रीज—प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्ति छोना, आदेशित हुआ है।

पी० एस० माथुर,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और जालधर ओटो स्पेयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 9 जनवरी 1979

सं० जी०/स्ट०/560/2642—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जालधर ओटो स्पेयर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेस ब्रोस चिट फन्ड एन्ड फाईनेंसीयरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालधर, दिनांक 11 जनवरी 1979

सं० जी०/स्ट०/560/3283—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेस ब्रोस चिट फन्ड एन्ड फाईनेंसीयरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्पित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

‘कम्पनी अधिनियम, 1956 और युरेका एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में’

जलंधर, दिनांक 15 जनवरी 1979

सं० जी/स्ट०/560/3671—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर युरेका एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचारित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोलीयम पाकेजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 3 जनवरी 1979

सं० 1311 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर पोलीयम पाकेजेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विचारित कर दी जाएगी।

विं० एस० राजू
कम्पनीयों का रजिस्ट्रार
शांघ प्रदेश, हैंदराबाद

आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 5 अनवरी 1979

आयकर

सं० जुरी-दिल्ली/1/78-79/36742—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 125 ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों सथा इस विषय पर आरी पहले को अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, कम्पनी सर्किल-16, नई दिल्ली के किसी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गीय या आय या आय के वर्गीय मामलों या मामलों के वर्ग के बारे में प्रदान की गई

या सौंपी गई किसी भी या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-1, ई करेंगे।

आयकर आयुक्त दिल्ली-1, कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज 1-ई को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125 ए की उपधारा (2) में अवैधित आदेशों को भी पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 5-1-1979 से लागू होगी।

नई दिनांक 5 जनवरी 1979

सं० जूड़ि-दिल्ली/1/78-79/36883—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय महायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकतर क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों के या आप या आप के वर्गों या मामलों निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे:—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-1() नई दिल्ली 1	1. कम्पनी सर्किल 3, 12, 13 तथा 23, न० दिं। 2. चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स सर्किल, नई दिल्ली
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-1-ई, नई दिल्ली ।	1. कम्पनी सर्किल-16 तथा 20, नई दिल्ली ।

यह अधिसूचना 5-1-1979 से लागू होगी।

क० न० बुटानी,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक ३० दिसम्बर १९७८

निदेश सं० ४६९।—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्रार० एस० सं० ३११/५ और ३३६/३ है, तथा जो हृल्लती धारा में स्थित है, (और इसमें उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकूमेंट सं० ६४४/७८) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कर्ता की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री सी० अपूर्व (अन्तरक)
२. श्री एस० बालकृष्णन (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुस्तुति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० ३११/५ और ३३६/३ हृल्लती धारा (डाकूमेंट सं० ६४४/७८)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : ३०-१२-१९७८

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कायलिय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1978

निवेदित सं० 4716—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
 से अधिक है
 और जिसकी सं० 1बी, राजा अन्नामलै चेट्टियार रोड है, तथा
 जो कोयम्बटूर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 वांधीपुरम, कोयम्बटूर (डाकूमेट सं० 706/78) में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मृश्य यह विश्वास करने का कारण
 है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
 तिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
 और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व
 अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० रामकुमार (अन्तरक)
 2. श्रीमती० राम मिरजाल बेकम (अन्तरिक्षी)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममात्प होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फूरण:—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और नमणि-1 बी, राजा अन्नामलै चेट्टियार रोड,
 कोयम्बटूर।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
 सक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रज II, लुधियाना

तारीख : 30-12-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निम्नें सं० 6267—ग्रत, मुझे, टी० वी० जी० छण्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 3/146, अन्ना सालै है, तथा जो मद्रास-6
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टिं० नगर,
मद्रास (डाकूमेंट सं० 459/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) J अधीन, तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
घपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

सर्वेश्वी इण्डियन वैर प्राइवेट इण्डस्ट्रीज

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीन राम अडना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंद में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 3/146, अन्ना सालै, मद्रास-6 (डाकूमेंट
सं० 459/78)।

टी० वी० जी० छण्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के मध्येन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश मं० 6267--यतः, शूल, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के मध्येन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मं० 3/146, अब्जा साले मद्रास-6 में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुभूति में और पूर्ण सूख में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर,
मद्रास में (डाकमेट मं० 460/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गारा गया
प्रतिफल, [निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है] :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के मध्येन नहीं देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करते या उमसे बचने में नुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बारा गाँठिसी धरा गा प्रदा आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धरा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की प्रधारा (1) के मध्येन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :

1. श्रीमर्ति मिट्टमन और अदरम (अन्तरक)
2. श्री प्रवीन राम अग्रिना (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के ग्राहक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवक्त्र द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ लोगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

भूमि और निर्माण 3/146, अब्जा साले, मद्रास-6 (डाकमेट मं० 460/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सभम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्ररूप ग्राईंडी० टी० एस० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4683—यत्, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एस० सं० 226, 227 और 228 है, तथा जो कोमारापालयम कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्थूल में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं० 515/78) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण पर हुई रिहो आय वा बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायिक्र म कमी करने या उससे बचने में युविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरारता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए या, छिगाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—जी० एस० सं० 226, 227 और 228, कोमारापालयम ग्राम, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं० 515/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

अतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269४ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269४ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, ग्रहीत :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०-----
 प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4678—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० 28/27, ओत्तच्छर स्ट्रीट सं० 1 में है,
 तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
 में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं० 1003/78) में रजिस्ट्री-
 करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
 से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
 प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
 वायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; श्री/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
 कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने
 में मुविद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में
 में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० रायप्प येट्टीयार (अन्तरित)
 2. श्रीमती आर० नारायणी अम्माल (अन्तरिती)

तो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यंत्र में कोई भी पासेर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी
 अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रत्यक्ष अवित्त द्वारा ग्राहीकरणी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रत्यक्ष शब्दों पौर पदों का, जो उक्त प्रधि-
 नियम के प्रवाय 20-क में परिवाप्त हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उम अधिग्राय में विद्या गया है।

मनुसूची

भूमि और घर—28/27, ओत्तच्छर स्ट्रीट, सं० 1,
 कोयम्बटूर (डाकुमेट सं० 1003/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 10-1-1979
 मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

1. श्री आर० कन्दस्वामी (अन्तरक)

2. श्रीमती आर० नारायणी अम्मा० (अन्तर्गती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4678—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 28/27, ओस्तक्खर स्ट्रीट है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1002/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूमि और धन—28/27, ओस्तक्खर स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1002/78)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्णी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धन—28/27, ओस्तक्खर स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1002/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 10-1-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निवास सं० 4681—ग्रत, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है,

और जिसकी सं० जी० एस० सं० 226, 227 और 228 है,
जो कीमारपालयम कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं० 514/78) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 व के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० टी० राधाकृष्णन (अन्तरक)
2. श्री बी० गणेशन (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

संबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण जी० एस० सं० 226, 227 और 228
कीमारपालयम ग्राम, कोयम्बटूर (डाकुमेट सं० 514/78)
टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 10-1-1979
मोहर:

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—————

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8218—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है, और जिसकी सं० 152 डी, और 153, आमाद रोड तिरुवारुर है, तथा जो तिरुवर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपट्टिम (बाकुमेट सं० 820/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मर्वंश्री पी० एम० पी० तिथाकराज नाडार और पी० एस० पी० टी० नागेस्वरन

(अन्तरक)

2. सर्वंश्री क० एम० अबदुल मजीद और जैनमूर्गणी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध निम्नी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर 153, 152 डी, आमाद रोड, तिरुवारुर (बाकुमेट सं० 820/78) ।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1979

निदेश सं० 8207—यतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी एस सं० 75/3 चिन्तामनी है, तथा जा तिलैनगर, दिल्ली में स्थित है, (और इस से उपचढ़ अनुसूची में श्रीग पूर्ण व्यप्ति में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली (डाकुमेंट सं० 835/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को इर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्पत्ति से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

1. श्रीमती अन्तोनी अम्मान

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामेश्वरी नलस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्खाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर टी० एस० सं० 75/3 चिन्तामनी, तिलैनगर दिल्ली (डाकुमेंट सं० 835/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-1-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ८० पी० ४५४/एन० के० डी०/७८-७९—पतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लोहगढ़
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतरण निर्धारित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किय गया है:—

(क) अतरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

पतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जसपाल सिंह, नौनिहाल सिंह पुत्रान मान सिंह
पुत्र शेर सिंह गांव लोहगढ़, तहसील नकोदर
(अन्तरक)

2. श्री माधु भिंह सुचा सिंह पुत्रान संता भिंह पुत्र नरथा
सिंह गांव संगोवाल, तहसील नकोदर
(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० २ में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में स्थितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

लोहगढ़ गांव में 72 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख
नं० 817 दिनांक 14 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायता आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिङा कार्यालय

भटिङा, विनांक 6 दिसंबर 1978

तिर्देश सं० एच० पी० 455/ए० एस० आर/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो काकों
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हृषियारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, परामितः—

1. श्री रमेश दत्त पुत्र परस राम पुल जय राम दाम वासी
काकों नहमीन हृषियारपुर

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान चन्द्र पुत्र बाबू मिहू पुत्र नन्द राम वासी
बसी खवाजा (हृषियारपुर)

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुत्तमी

काकों गांव में 39 कनाल 19 मरले कुषि भूमि जैसा कि
विलेख सं० 1766 जुलाई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हृषियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिङा

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

मिंदेश सं० ए० पी० 456/एफ० जैड० के०/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुरादवाला
दससिंह में स्थित है (और इससे उपांत्रद्वारा अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पत्तबद्ध प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी भाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों
को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधानयम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रो त्रिवेंस मिह पुत्र मदा कौर पुत्रों पंजावकौर गाँव
मुरादवाला दल सिंह (फाजिल्का)
(अन्तरक)

2. श्री बचिनार सिंह पुत्र वर्णियाम मिह पुत्र वर्जिर सिंह
वासी मुरादवाला दल मिह (फाजिल्का)
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूतना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धीय व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुरादवाला दल सिंह गांव में 40 कनाल कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 709 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 6-12-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 457/एन० के० डी०/78-79—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन
मध्यम प्राधिकारी को, यह विवाहाम करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नारंगपुर
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहाम करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़ैद़ प्रतिशत
से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए; और/
ग।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं
अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

क—446GI/78

1. श्रीमती बलबन्त कौर पत्नी भाग सिंह पुत्र आत्मा सिंह
गांव दानेवाल (नकोदर)।

(अन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह पुत्र नेजा सिंह पुत्र मल्ल सिंह गांव परजियाँ
खुदै (नकोदर)।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह अक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो अक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह अक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सुनना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ने अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूल्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी अक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्तियों में से
किसी अपक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उप्रायपाय में दिया गया है।

अनुसूची

तारंगपुर गांव में 90 कनाल 11 मर्ले कृषि भूमि जैसा
कि लिखेख नं० 413 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टिंडा

तारीख : 6-12-1978
मोहर।

प्रक्षेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 458/जी० एच० एस०/78-79—
थतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जीवां
प्रार्थी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरुहर
सहाय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के भीतर
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

1. श्री सोहन सिंह पुत्र जगन नाथ पुत्र करेह सिंह, गांव
जीवां प्रार्थी, फीरोजपुर
(अन्तरक)

2. श्री राम लुभाया, हरभजन लाल, जसवन्त राए
सपुत्र जीवा राम पुत्र सावन राम, गांव, जीवां प्रार्थी
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
तिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या सत्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जीवां प्रार्थी गांव में कृषि भूमि 60 कनाल 2 मरले जैसा
कि विलेख नं० 235 मई 1978, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरु
हर सहाय में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० इस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 7 दिसंबर 1978

निवेंग स० ए० पी० 45९/एन० डब्ल्यू० एस०/78-79:—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो राहों
में स्थित है (शाँत इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1978

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का अन्तर्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कारबने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने पा उसमें वर्षमें में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी बंत पा अथ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा बन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
बरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाई
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधितः:—

1. श्री गुरदयाति सिंह पुत्र नन्द गांव एवं डा० भरता
कला, नवां शहर

(अन्तरक)

2. सर्वश्री मुख्यमंत्री, मलकियत सिंह पुत्र श्री माजर सिंह
गांव एवं डाकघासा राहों, नवां शहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवाच रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोवस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी फरके पूर्वोन्न सालि के पर्णा के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी व्याख्यातः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि प्रा तासंबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोन्न संपत्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी वे पास लिखित में
लिए जा नहीं।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पांडी जा, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

राहों गांव में 56 कनाल 7 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख
नं० 911 जून 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर म
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख : 7-12-78

बोहर :

प्ररूप श्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 460/एम० जी० ए०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भन्दिर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गुरनाम सिंह, गुरवचन सिंह सपुत्र श्रीमति गुरदेव कौर, हरदेव कौर पुत्री चानन सिंह सपुत्र राम सिंह, गांव, मन्दिर, जीरा

(अन्तरक)

2. श्री बूटा सिंह, कुन्दन सिंह पुत्र श्री बुध सिंह गांव मन्दिर, जीरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मन्दिर गांव में 74 कनाल क्षुषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 583 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निवेश मं० ए० पी० 461/बी० टी० आई०/78-79
यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोविन्दपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नथाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. श्रीमती कृष्णा पुत्री श्री काला सिंह पुत्र माल,
गोविन्दपुरा

(अन्तरक)

2. सर्वेश्वी गुरु चरण सिंह, मुख्यायार सिंह सपुत्र श्री बूटा
सिंह पुत्र ईशर सिंह, गोविन्दपुरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (यह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (यह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख

गांव गोविन्दपुरा में 49 कनाल 15 मरले कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 234 मई, 1978, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नथाना में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 7-12-1978

मोहर :

प्रकृत घाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 7 दिसम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 462/एम० एन० एस०/78-79
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्धतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मट्टी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अवृत्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि नवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण ने तिए तथा पाया गया प्रनिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिक रूप से कष्टित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अवधि:-

1. श्री हंकीक सिंह पुत ईशर सिंह पुत साधु सिंह वासी बुढ़लाडा

(अन्तरक)

2. श्री राम कृष्ण और राम लाल पुत्रान परमा नन्द पुत्र कतह चन्द वासी भिखी (मानसा)

(अन्तरिक्षीय)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके उर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरदी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनी गांव में 125 कनाल 8 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 1838 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 7-12-78

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा
भट्टिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं. ए० पी० 463/बी० टो० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

आर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट-
शमीर में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्टिडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्थि तरह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन। अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं निया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, पर्यातः:—

1. श्रीमती जंगेंर कंदर पुर्ण जय कोर विवाह सुन्दर
सिंह वामी कोटशमीर।

(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह, हरमेल सिंह, भोता सिंह पुत्र
करनेल सिंह पुत्र बज्जो सिंह, गांव कटार सिंह वाला
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के भाग
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोटशमीर गांव में 46 कनाल 6 मरने क्षुधि भूमि जैसा कि
विलेख नं. 1183 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिडा
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 14 विसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 464/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटशमीर में स्थित है (और इसे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्टिंडा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

1. श्रीमती प्रसिद्ध कौर पुत्री जय कौर वासी कोटशमीर जिला भट्टिंडा।

(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह, हरमेल सिंह, मोता सिंह, गुरजन्त सिंह पुत्रान करनैल सिंह पुत्र बखशी सिंह गांव कटार सिंहवाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटशमीर गांव में 46 कनाल 6 मरले कृषि भूमि जैमा कि विलेख नं० 1182 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिंडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रह्लाद प्राईटी एम्पेटी—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसंबर 1978

निवेश सं. ए० पी० 465/पी० एच० जी०/78-79—
यतः मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
प्रेमपुर में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती
(अस्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के
अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पर्याप्ति भास्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः इक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—
5-446GI/78

1. श्रीरेणुलाल मिह, फर्वर्ण मिह, अवसार मिह पुद्रान
रघवीर मिह गांव नहर तहसील फगवाड़ा
(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव मिह पुव मोता मिह वासी गुरदेवबाड़ा
नगर फगवाड़ा
(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समंधी अस्तियों पर मूल्यांकी
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से
किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्ति अस्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रेमपुर गांव में 61 कनाल 11 मरले कुषिभूमि जैसा कि
विलेख नं० 223 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा
में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रकल्प मार्गदृशी ० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 14 दिसंबर 1978

निदेश सं० ८० पी० ४६६/एन० उल्लू० एस०/७८-७९—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो उरपर
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उसके
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरेण कुमार पुव हंस राज और चन्द्र कान्ता विधवा
हंस राज गांव उरपर तहसील नहां शहर
(अन्तरक)

2. श्री हिरदे पाल सिंह पुत्र दविन्द्र सिंह गांव गढ़ पधाना
तहसील नहां शहर (जलनधर)
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वत्र रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीन निम्नलिखित व्यक्ति के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्त निम्नलिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रव्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

उरपर गांव में 83 कनाल 5 मरले कुण्ड भूमि जैसा कि
विलेख नं० 480 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख 14-12-1978
मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा
भटिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निकेंद्र नं० ३० पी० 467 को पी० आर०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है

और जिसकी नं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा वह उचा
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1978

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और पन्नरितो (पन्नरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के
लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(६) प्रतरण से ही किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(७) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, तिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपाधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्री साधु सिंह, जगीर सिंह, अर्ण मिह, नाजर सिंह
पुत्रान पाल सिंह पुत्र कालु गांव उचा तहसील कपूरथला
(अन्तरक)

2. श्री मलविन्द्र सिंह, बलवंत मिह पुत्रान मुखत्यार सिंह
पुत्र हुक्म सिंह गांव उचा (2) बलवीर मिह लखा सिंह
गुरदेव मिह पुत्रान भान सिंह गांव वरपोल तहसील
अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
हितबद्ध है)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संस्थि के अर्जन के संबंध में कोई भी माझे प:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविनियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अधिकारी में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परि-
भासित हैं वही ग्रन्थ होंगा, जो उस ग्रन्थाय
में दिया गया है।

अनुसूची

उचा गांव में 111 कनाल 17 भग्ले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख नं० 429 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला
में रुचि रखता है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० पृ० —————
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिङा

भट्टिङा, दिनांक 14 दिसंबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 468/बी० टी० प्राई०/78-79—
यतः मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा तथा जो भूमि
कलां में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नथाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का
पद्धति से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अभ्यरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अभ्यरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित आय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में से, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

1. श्री गुरदित सिंह पुत्र किशन सिंह गांव भूच्चो कलां
(अन्तरक)

2. श्री जगरूप सिंह, हाकम सिंह, प्रगट मिह पुत्रान
प्रीतम मिह गुरचर्ण मिह, अर्जेव मिह, मलकीत सिंह
पुत्रान जगर सिंह पुत्र जवाहर सिंह वासी भूच्चो कलां।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी ठरके पूर्णता सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के तीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूच्चो कलां गांव में 60 कनाल 1 मरला कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 125 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, भट्टिङा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रख्युक्त आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदण सं० ए० पी० 469/जी० आर० एच०/78-79—
थतः, मुझे, पी० एम० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
झंजोबाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुचूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय
गढ़ शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
काय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा
षन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवा, हंसा, पुनान उत्तरा, पुन बाना गांव झंजोबाल
तहसील गढ़ शंकर

(अन्तरक)

2. श्री हरि सिंह, किंगन मिह पुनान मेहर चन्द, सुरिन्द्र
सिंह कमलजीत सिंह पुनान प्रीतम मिह गांव झंजोबाल
तहसील गढ़ शंकर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायांवाहिया करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

झंजोबाल गांव में 86 कनाल 15 मरले कृषि भूमि जैसा
कि लिखा नं० 510 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी गढ़
शंकर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एम॰—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिङा

भटिङा, दिनांक 14 विसंबर 1978

निकेश सं. पी. 470/एफ० जैड० आर०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलवाल
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्कह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(प्रत्यन्तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौतः:—

1. श्री चर्ण दात, लक्ष्मन दास, राम प्रताप आनंद राम
पुत्र किशोरी लाल गांव मुदकी

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र तेजा मिह गांव मलवाल तहसील
फिरोजपुर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगति के प्रत्रेन के
निए कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के प्रत्रेन के संबंध में कोई भी अधिकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रायाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

मलवाल गांव में 44 कनाल 7½ भरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं. 440 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिङा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1078

निदेश सं० ए० पी० 471/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गहरी बुटर में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भट्टिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोदा राम, बाबू राम पुत्रान मुन्ही राम पुन्न
बजीरा मल गांव गहरी बुटर
(अन्तरक)

2. श्री हरगोबिन्द मिह, महिन्द्र मिह पुत्रान मंगल मिह
पुव विलोक मिह गांव गहरी बुटर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिनके अभिधोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के आध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुत्तरी

गहरी बुटर गांव में 118 कनाल 11 मरले कुण्ड भूमि
जैसा कि विलोक नं० 837 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भट्टिडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रधान प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 472/बी० टी० प्राई०/78-79--
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गहरी
बुटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्टिडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति के लिए
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) प्रतिफल से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलाप्त (1)
प्रधीन, निम्नलिखित विविधताओं, अर्थात् :--

1. श्री बुध राम हंस राज पुत्रान मुन्नी राम पुत्र वजीर मल,
माधी राम पुत्र रिखी राम वासी गहरी बुटर
(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह, महिन्द्र सिंह पुत्रान मंगल सिंह
पुत्र विलोक सिंह गांव गहरी बुटर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के मम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रब्रह्म वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

गहरी बुटर गांव में 118 कनाल 11 मरले कुञ्ज भूमि
जैसा कि विलेख नं० 836 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भट्टिडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एम०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 473/क० पी० आर०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो उच्चा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6-446GI/78

1. श्री कृष्ण लाल पुत्र लहारी राम गांव उच्चा नहसील कपूरथला

(अन्तरक)

2. श्री मनजीत मिह, कुलदीप मिह, चरणजीत मिह पुत्रान श्रीमती महिन्द्र कीर विद्वा ईश्वर मिह गांव उच्चा नहसील कपूरथला

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में नहीं रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनंदा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

उच्चा गांव में 82 कनाल 4 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 561 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ८० पी० 474/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० एस० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कल्याण सुखा में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नथाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दोष ऐसे अस्तरण ने निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कगो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी स्तर या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रधीन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पुत्री जन्द कौर गांव कल्याण सुखा
(अन्तरक)

2. श्री बलजीत सिंह पुत्र भाग सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह गांव कल्याण मल्ल का तहसील नथाना
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कल्याण सुखा गांव में 77 कनाल 11 मरले कृषि भूमि जैमा कि विलेख नं० 321 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज़, भट्टडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

— निर्देश सं० ए० पी० 475/पी० एच० जी०/78-79—
यतः मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो महें
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के धीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सज्जन सिंह पुत्र गोविन्द सिंह गांव महें तहसील
फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री नाजर सिंह पुत्र वरियाम सिंह गांव महें तहसील
फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के सम्पर्क में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर नुस्खा
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

महें गांव में 54 कनाल 14 मर्ले कृषि भूमि जैसा
कि विलेख नं० 178 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 476/एन० डब्ल्यू० एस०/78-79—
मतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग निविन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगत सिंह पुत्र हीरा सिंह गांव राहों तहसील नवां शहर।

(अन्तरक)

2. श्री कशमीर मिंह पुत्र मंगल मिंह गांव राहों तहसील नहां शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लाइवर्टिंग करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

राहों गांव में 35 कनाल 7 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 861 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसंबर 1978

निदेश सं० द० पी० 477/जी० आर० एन०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन तज्जन प्राविहारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़ शंकर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
प्रौर्धा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामतीर्थ पुत्र बलिया पुत्र किर्पा और दया वन्ति
विधवा बेला (बृहमन) गांव रामपुर बिलरों तहसील
गढ़ शंकर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र सिंह, अजीत सिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान
बिक्कर सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह गांव गोराया तहसील फिल्लौर +
(अन्तरिती)

3. जैसा निं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामपुर गांव में 192 कनाल 12 मरले कृषि भूमि जैसा कि
विलेख निं० 476 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़ शंकर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टिडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मसूची, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 14 दिसंबर 1978

निदण सं० ए० पी० 478/एन० डब्ल्य० एस०) 78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो उत्तरपर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, नवां शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में जमी करने
या उससे बदने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. श्री सुदेश कुमार पुत्र हंसराज गांव उत्तरपर तहसील
नवां शहर

(अन्तरक)

2. श्री गुरजीत सिंह पुत्र दविन्द्र सिंह, गांव गढ़ पधाना
तहसील नवां शहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

उत्तरपर गांव में 78 कनाल 10 मरले क्षेत्र भूमि जैसा कि
विलेख नं० 713 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर
में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख 14-12-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 479/एम० जी० ए०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर समाप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है
और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मल्लां वाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय किसी की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण मिहू पुत्र वीर मिहू पुत्र नन्द मिहू वाम
मल्ला वाला तहमीन जीरा ।

(अन्तरक)

2. श्री ठहल मिहू पुत्र अर्द्धेत मिहू पुत्र मंगल मिहू
वामी मल्ला वाला तहमीन जीरा ।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० ३ में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
मम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति मम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राद्धेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मल्ला वाला गांव में 64 कनाल 1 भरला कृषि भूमि
जैमा कि विलेख नं० 514 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जीरा में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टिंडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०---

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालिय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 14 दिसंबर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 480/एच० एस० पी०/78-79—
यतः, मुझे, पी० ए० ए० मलिक,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी
कनून गोओं में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,
हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए सम्मति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्डह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण में हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री गुरदिता गल पुत्र कर्म चन्द्र पुत्र खेबा गम
वासी ग्रामी महला जलन्धर शहर
(अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह पुत्र उजागर सिंह पुत्र जवाला सिंह
वासी गांव बोलीना जिला जलन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

हो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

तलवंडी कनूनगोओं गांव में 61 कनाल 8 मरल कुष भूमि
जमा कि विलेख नं० 589 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हुशियारपुर में लिखा है :

पी० ए० मलिक,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, भट्टिंडा

तारीख 14-12-1978
मोहर :

प्रृष्ठ प्राई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 481/फिरोजपुर 78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिसी (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जैश से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई इसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रसारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-446 GI/78

1. श्री जोगिन्द्र सिंह, इन्ड्र सिंह, बलकार सिंह पुत्रान बहल सिंह गांव मुदकी।

(अन्तरक)

2. श्री मुरजीत सिंह पुत्र तेज सिंह गांव मलवाल तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वींधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलवाल गांव में 44 कनाल 7½ भरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 651 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 482/एन० डब्ल्यू० एस०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सभोजपुर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के प्रस्तावक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री महिन्द्र सिंह, निर्मल मिह, भजन मिह, बलशीर
मिह पुत्रान अमर सिंह वासी रनरायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कण्ठमीरा सिंह, हरजिन्द्र सिंह, प्रशोदतम सिंह पुत्रान
अजीत सिंह गांव सभोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वशी व्यक्तियों पर
सूचना की सम्पत्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही
पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभोजपुर गांव में 38 कनाल 11 मरले कुषि भूमि जैसा
कि विलोक्त नं० 516 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां
शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भट्टिडा।

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी०-४८३/एफ जे के/७८-७९—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बानेवाला में स्थित है (और इस उपायदृष्टि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

जो प्रक्रियान्वयन के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित लिखत में बास्तविक रूप से फिल्ह नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्रासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिसत्तयों, प्रधार्त, :—

1. श्रीमती मजो पुत्री सन्त सिंह पुत्र भाग सिंह बासी बानेवाला, फाजिल्का

(प्रत्यक्षित)

2. श्री बलजिन्द्र मिहू पुत्र मुख्तयार मिहू पुत्र उजागर मिहू बासी बानेवाला, फाजिल्का

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त मंपति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्यक्षित के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बानेवाला गांव में 83 कनाल, 18 मरले कुवि भूमि जैसा कि विलेख नं० 279 मई 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 6-12-1978
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-४८४/धी टी आई/७८-७९—
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भागों
सरियां में स्थित है (और इस उपादान अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पर्याप्त प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा याया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति:—

1. कुमारी मोहिनी कीर उर्फ मनन्द्रि सिंह पुत्री ध्यान
सिंह पुत्र गुरमुख सिंह, गांव भाओ सरीया
(अन्तरक)

2. श्री गंडा सिंह पुत्र पहारा सिंह पुत्र खेता मिहं गांव
भाओ सरीया, भटिंडा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह अक्षित, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अक्षित सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह अक्षित,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से
किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

लघुवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भागी सरियां गांव में कृषि भूमि 69 कनाल जैसा कि
विलेख नं० 1223 और 1234 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख: 6-12-1978

मोहर:

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, फिरोजपुर

फिरोजपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-४८५/एफ जेड आर/78-79—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-ष के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बाबत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नूरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या प्रग्न आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की आदा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की आदा 269-ष की उपआदा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन,—

1. श्री बलकार मिह बरत्त कौर, पन्नी तारा मिह पुत्र जगत सिंह, गांव नूरपुर, फिरोजपुर
(अन्तरक)

2. (1) श्री राजेन्द्र मिह पुत्र कुलवन्त सिंह पुत्र करतार सिंह, गांव बूटेवाला
(2) शाम मिह पुत्र राजपत्र मिह गांव किलियां बाली, मुक्तमर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के प्रकाशन पर कोई दो प्रतिरोधः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूरपुर गांव में 36कनाल 13 1/2 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 643 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, फिरोजपुर

तारीख : 6-12-1978

मोहर :

प्रक्षेप आई०टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, होशियार पुर

होशियारपुर, दिनांक 26 दिसंबर 1978

निर्देश सं० AP 486/एच० एस० पी०/78-79—यतः, मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
घारा 269-व के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवाह से
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है

श्रीर. जिमकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो होशियार
पुर में स्थित है (श्रीर. इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर. मूल्य
यह विवाह से करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिकात्त से अधिक है श्रीर.
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चर्चेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर वंशे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः श्री, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की
उप-घारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घर्ता :—

1. श्री गिरधारी लाल पुत्र गोपाल दाम नरेंद्री कानोनी,
फगवाड़ा

(अन्तरक)

2. श्री मुरिन्द्र सिंह पुत्र राजेन्द्र मिह गांव जाजा, नहसीन
होशियारपुर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारीयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि;
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वावृत्त अधिकारीयों में से किसी अधिक्षित
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीते पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रयोग 20-क में परिचालित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में विवा-
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० बी-III, एस० 1/114 मुतेहरी गोड, होशियारपुर
जैसा कि विलेख नं० 335 मई 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
होशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, होशियारपुर

तारीख : 26-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निदश सं० ए० पी० 487/एफ० जैड० आर०/78-79--
यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मलवाल में स्थित है (ओर इसमें उपबद्ध अनुसूची में ओर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधान निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

1. मर्व श्री चरण दाम, लक्ष्मण दाम, राम प्रतार, चान्द
राम मपुत्र श्री किणोरी लाल गांव मुंडकी, तहसील फिरोजपुर
(अन्तरक)

2. श्री जगीर मिह, पुत्र नेजा मिह गांव मलवाल
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

44 क०, 7½ मरले कृषि भूमि मलवाल गांव में जैमा
कि विलेख नं० 439 मई 1978 जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, भट्टडा

तारीख : 26-12-1978।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निवेद्य सं० ए० पी० 488/एन० एस० डब्ल्यू०/79-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मिलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सञ्चालन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से प्रतिकृत है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रैनस कलां
में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निहाल सिंह
वाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख मई 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगस्थान
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)
के प्रधीन, विस्त्रित अधिकारी, अवृत्त ।—

1. श्री भाग सिंह पुत्र श्रीमती भगवान कौर पुत्री हरताम
कौर गांव शकुर तहसील फिरोजगुर

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, तोता सिंह, मुख्यदेव सिंह, अमरजीत
सिंह पुत्र बाबू सिंह और हरनेक सिंह भाई सिंह, जै
सिंह निर्भै सिंह पुत्रान करनेल सिंह गांव दिवारवाला
सब तहसील निहल सिंह वाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचिरखना है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके युर्बोक्ष सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीन के पंचम पं० कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

रनसां कलां गांव में 24 कनाल 13 मरले जमीन जैसा
कि विलेख नं० 218 मई 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
निहाल सिंह वाला में लिखा है।

पी० एन० मिलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टडा

तारीख : 26-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट डी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 26 दिसम्बर 1978

निर्देश मं० ए० पी० 489/एफ० जैड आर०/78-79—
यतः, पुँजी, पी० एन० मलिक,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मलवाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुँजे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरग से दूर्दि किसी प्राय की बावज, उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देते के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—44601/78

1. मर्वंश्री जोगिन्द्र सिंह, इन्द्र सिंह, बलकार सिंह,
सर्वश्री बाहल सिंह पुत्र श्री नन्दा सिंह, गांव मुंशकी
तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. श्री जागीर सिंह पुत्र तेजा सिंह पुत्र मंगल सिंह गांव
मलवाल, तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में समानि है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को वह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
दूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखिल में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

47 कनाल 4 मर्ले कृषि भूमि मलवाल गांव में जैमा कि
विलेख नं० 652 मई 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 26-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निवेदण सं० रु. ४७२००० हा० ०४०.० तारीख/ 472.—गत: भुमि, हरी शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधियां में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

(1) श्री डाल चन्द्र पुत्र मानक लाल सुवामका, सूरजपोल, अप्सरा होटल के पास, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर लाल पुत्र मोदी लाल तेली, नयापुरा, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

अप्सरा होटल, उदयपुर की बिल्डिंग में स्थित ग्राउन्ड पलोर की एक दुकान जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 863 दिनांक 4 मई, 78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 18 नवम्बर, 1978।

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निवेश, सं० राज० सहा० आ० अर्जन/470:—ग्रतः मुझे, हरी, शंकर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सबसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

और जिसकी सं० जैमा कि अनुमूली में लिखा है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः—

(1) श्री डाल चन्द्र पुत्र मानक लाल स्वालका, सूरजपोल, अस्सरा होटल के पास, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) देवी लाल पुत्र उदयलाल तेली, तेलीवाड़ा नं० 23 उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्खोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत कार्यालयों करता हूँ।

इन सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधोक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अनु अनुग्रह जारी किया गया है।

अमृता

अमरा होटल, उदयपुर की विलिंग में स्थित दुकान जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 899 दिनांक 8-5-78 पर अन्तिम विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 8-11-1978

मोहरः

प्रलेन आई० टी० एन० पृ०--- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निवेश सं० राज० /महा० आ० अर्जन/471:—यतः, मुझे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दस्के
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो उदयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12
मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डाम चन्द्र पुत्र श्री मानक लाल सुवालका, सूरजपोल,
प्रसारा होटल के पास, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री देवी लाल पुत्र उदयलाल एवं श्रीमति भंवरी बाई
तेली, तेलीवाड़ा नं० 23, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रसारा होटल की बिलिंग में स्थित दुकान जो उप पंजियक,
उदयपुर द्वारा क्रमांक 955 दिनांक 12-5-78 पर पंजियक
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक : 8-11-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1978

निदेश सं० राज०/महा०/ आ० अर्जनः—533:—यतः मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विधास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० जैमा की अनुसूची में लिखा है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावद्व अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10 मई, 1978

को पूर्वोक्त ममाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विधास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त ममाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्य मान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रायः अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिफल में उक्त अनुसूची की आय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसा किसी प्राय ग्राहित किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के पूर्वान्तर, निम्नान्तर व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री बसन्ती देवी विधवा स्वर्गीय श्री कन्हैया लाल पाटनी, 33 अरमानियन स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री नाथूलाल खण्डेलवाल, रास्ता खुर्चा जगन्नाथ शाह, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममाति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजघास में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, ट्रैक स्टेंड स्कीम, आगरा रोड, जयपुर पर स्थित मकान का भाग जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1079 दिनांक 10-5-78 पर पंजिबद्व विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

हरी शंकर,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर ।

तारीख : 8 नवम्बर, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रहार्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/473:—यतः मुझे, हरी
शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निवास गाँजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैमा की अनुसूची
में लिखा है तथा जो जयपुर में, स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मई, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल
के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है
कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्धू प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण नियिका में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के वायिक
में कर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/था

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्राप्तुस्थ भूमि
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों सम्बात् :—

(1) श्रीमती बमन्ती देवी प्रधिनियम स्वर्गीय श्री कन्हैया नाल
पाटनी 33 अरमानियन स्ट्रीट, कलकत्ता ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पादेवी पत्नि श्री नाथूलाल खण्डेलवाल,
रास्ता खुर्रा जगन्नाथ महाह, रामगंज बाजार, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रांजन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रांजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्मैव्यक्ति व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अप्रोहमनाकरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिभासित हैं, वही
भर्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, ट्रॅक स्टेप्प स्कीम, श्रागरा रोड, जयपुर का भाग,
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1080 दिनांक 10-5-78
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 18 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्रस्तुत प्राइ० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसंबर 1978

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78/79/96:—यतः मुझे, एन०
पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का अर्थ
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि नं० 115/12, 15, 14, 16, 115/5/
2 भिन् 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17, 18, 23, 24, 4/12
है तथा जो ज्ञानाल कलां में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से दणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
ज्ञानाल कलां, (अमृतसर) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तराना)
और मन्त्रालयी (मन्त्रितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने वाले सुधार
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
का, जिन्हे भारतीय यात्रा-दर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ मन्त्रितया द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुधार के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अक्षितयों के अर्थातः:—

1. श्री प्रवतार मिह पुत्र श्री उजागर मिह गांव ज्ञानाल कलां
जिला अमृतसर।

(प्रन्तरक)

2. श्री जलवंत मिह पुत्र श्री आतमा मिह, लखविन्दर सिंह,
मुख्यजिदर सिंह, हरपाल मिह, पुत्रान श्री जववंत सिंह,
निवासी काला धनुपुर, तहसील, अमृतसर।

(प्रन्तरिती)

3. जैसा कि कम सं० नं० 2 उपर 7 और कोई किरायेदार
हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई आदमी इस जायदाद में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसका बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि, वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वयस्थि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की वयस्थि, जो भी
वयस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारूपों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के प्रधायाय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका क्षेत्रफल 108 कनाल सं० नं० 115/12,
15, 14, 16, 115/5/2 भिन् 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17,
18, 23, 24, 4/1 जो कि गांव ज्ञानाल कलां जिला अमृतसर में
है रजिस्टर्ड डील व 264 प्राफ जून, 1978,
रजिस्ट्रीग्राम प्रथारिटी ज्ञानाल कलां में दर्ज है।

एन० पी० साहनी,
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 19-12-1978

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० ए० प्रा० आर०/78-79/95 :—यतः मुझे,
एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है यह उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि अबाल कलां अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वै कार्यालय जबाल कलां में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1978

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से नहीं दर्शाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तात :—

1. श्रीमती गुरुदीप कौर पत्नी श्री उजागर सिंह निवासी गांव
जबाल कलां जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमिन्द्र कौर पत्नी श्री जसवंत सिंह निवासी काला
धनुपुर तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि क्रम सं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार होते हैं।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोस्तुताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
मूल्य की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्तुताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 9 मरले जो कि गांव
जबाल कलां तहसील तारन जिला अमृतसर में स्थित है और
जिसकी रजिस्ट्रेड डीड नं० 265 आफ जून, 1978 रजिस्ट्रीग
अथार्टी जबाल कलां जिला अमृतसर में दर्ज है।

एन० पी० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, ग्रमूतसर
ग्रमूतसर, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निदेश मं० ग्रमूतसर/78-79/94—यतः, मुझे, एन०
पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और जिसकी

सं० कृषि भूमि सं० नं० 115/19, 22 है तथा जो कि गांव
झबाल कलां ग्रमूतसर में, स्थित है (और इससे उपायद्वारा ग्रनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
ग्रमूतसर झबाल कलां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपस्थारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् :—

9-446 GI/78

1. श्री अनंतराज मिह पुत्र श्री उज्जगर मिह निवासी गांव
झबाल कलां जिला ग्रमूतसर।

(अन्तरक)

2. श्री हरवंस मिह पुत्र श्री हरताम मिह निवासी गांव झबाल
कलां जिला ग्रमूतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रम सं० 2 और कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका खेतफल 16 कनाल खसरा नं० 115/19,
22 जो कि गांव झबाल कलां में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रेशन नं० 364 आफ जून, 78 रजिस्ट्रिंग अथारटी झबाल कलां में
दर्ज है।

एन० पी० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, ग्रमूतसर

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसंबर 1978

निवेश सं० अमृतसर/78-79/93—यसौ, मुझे, एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 90/2-1 और 107-108/2-1 है तथा जो कि बाजार सबुनिया, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन नहीं देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रो० डी० एन० गंड पुत्र श्री अमीं चन्द गंड 5/408, ग्रेटर कैलाश, नथू बिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दुलारी सहगल पत्नी श्री रघुनाथ सहगल निवासी बाजार सबुनिया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रम सं० 2 यदि और कोई किरायेवार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

दुकान नं० 90/2-1 और 107/108/2-1, बाजार सबुनिया अमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रेशन डीड नं० 585 प्राप्त मई, 1978 रजिस्ट्रेशन अधारटी अमृतसर शहर में स्थित है।

एन० पी० साहनी,

सभाप्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, अमृतसर

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० अमृतसर/78-79/92—यतः मुझे, एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 166 है तथा जो कि रेस कोर्स रोड, रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुवंशंन कुमार पुत्र श्री दीलत राम निवासी 166, रेस कोर्स रोड, शास्त्री नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री कुंदन लाल और श्री चरणजीत पुत्रान श्री दीलत राम, निवासी 166-ए, शास्त्री नगर, रेस कोर्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रम सं० 2 और कोई किरायेवार हो तो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस आयदाद में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 166 जो कि शास्त्री नगर रेस कोर्स रोड, अमृतसर में है तथा जैसा कि रजिस्ट्रेड डीड नं० 611 आफ मई, 1978, रजिस्ट्रिंग अथारटी अमृतसर शहर में दर्ज है।

एन० पी० साहनी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-12-1978

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निकेण सं० अमृतसर/78-79/97:—यसः, मुझे, एन० पी० साहनी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खमरा नं० 2050/178 है, जो 191 ईस्ट मोहन नगर जी० टी० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 मई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्तीतः—

(1) श्री भुपेन्द्र सिंह, गुरुचरण सिंह पुत्रगण प्रीतम मिह दुसेनपुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री गुरुचरण सिंह कोट हरनामदाम ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में शनि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खमरा नं० 2050/178, 191/स्थिति मेन जी० टी० रोड पीछे निक रोड ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है।

एन० पी० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 22-12-1978
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए०ए०आर०/78-79/98:—यतः मुझे, एन० पी० माहनी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानान्वयन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खंडरा नं० 2050/- है जो 178/191 जी० टी० रोड़, के ऊपर पीछे निक रोड़, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रद्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों प्रवति:—

(1) श्री बलबीर सिंह, गुरुदीव सिंह पुत्रगण श्री प्रीतम सिंह हूसैन पुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदत्त कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह निवासी 40 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा किंन० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खंडरा नं० 2050/178/191/ टोटन एरिया 355 गज सुलतान फिन्ड गेट जी० टी० रोड़, जालधर वाली चुंगी के भासने जैसा कि रजिस्ट्रीकूल नं० 571 मई 1978 जैसा कि रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एन० पी० माहनी,
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 22-12-78

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एम०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर, 1978

निवेश सं० ए० एस० आर०/78-79/99:—यतः मुझे, एम० एल० महाजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 12/262-एम० सी० है, जो गाँव बाजार, तरनतारन में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में प्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में भागीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पलट्टा प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(५) प्रस्तरण से हुई किसी आवा की बाबत 34। बधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करन या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(६) ऐसी किसी आवा का किसी बचन या प्रथ्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या, लिखने में सुविधा के लिये।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्त्ति:—

(1) श्री गुरपालसिंह लिया हुआ पुत्र मेजर सिंह हरिन्द्र सिंह, निवासी राजा सांसी, तहसील अजानाला, जिला, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परवीन कौर धर्मपति हरजिंदर सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, टिम्बर मर्चेन्ट, गाँव बाजार, तरनतारन, जिला—अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैउ कि ऊपर नं० 2 में और कोई किराये दार हो तो:—
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि अन्य कोई इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त वस्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समांदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्सा जयदाद नं० 12/262-एम० सी० जो गाँव बाजार तरनतारन, जिला अमृतसर में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1046, भई 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता तहसील तरनतारन में है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रम्यतसर

ग्रम्यतसर, दिनांक 29 दिसंबर 1978

निदेश सं० ग्रम्यतसर/78-79/100:—यह, मुझे, एम० एल० महाजन,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है

और जिसकी सं० 12/262-एम० सी० है, जो गार्ड बाजार, तरन-तारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1978

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रुचित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण में हुई फिसी प्राप्त की बाजार, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्बंध के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या ग्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोग्यतः—

(1) श्री गुरुपाल सिंह गोदलिया पुत्र मैजर हरिन्दर सिंह राजी नांसी, तहसील-ग्रजनाला, जिला-ग्रम्यतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, श्रीमति परवीन-कौर पति-हरजिन्दर सिंह, श्रीमती गुरशरन कौर पति मोहन सिंह टिम्बर मर्चेन्ट गार्ड बाजार तरनतारन, जिला-ग्रम्यतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा नम्बर 2 उपरोक्त में दिया गया है, और यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संविति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राम्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

ग्रन्तुसूची

1/6 हिस्सा इस जायदाद नं० 12/262-एम० सी० जो गार्ड बाजार, तरनतारन-जिला ग्रम्यतसर में स्थित है जैसा रजिस्ट्री नं० 868 मई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता तहसील तरन तारन, जिला ग्रम्यतसर।

एम० एल० महाजन,
सभी प्रधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ग्रम्यतसर

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निदेश सं० अमृतसर/78-79/101:—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 12/262-एम० सी० है, जो गार्ड बाजार, तरनतारन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरनतारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्द्ध है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपार्ट:—

(1) श्री गुरपाल सिंह गोदी लिया हुआ पुत्र मेजर हरिन्द्र रमिह पुत्र रघुबीर सिंह राजा सांसी, तह : अजनाला, जिला—अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र मोहन मिह टिम्बर मर्चेन्ट, गार्ड बाजार तरन तारन जिला—अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक कार्यकारियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किए गये अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही प्रधं होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्सा जायदाद नं० 12/262-एम० सी० गार्ड बाजार, तरन तारन, जिला—अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4405 अक्टूबर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता—तरनतारन।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्रकृष्ट धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 29 दिसम्बर 1978

निकेश सं० अमृतसर/78-79/102—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 50 कनाल 6 मरले हैं, जो 174/17/2-24-25, 1,3/121, 178/1/2-1/1-177/4/2-5-7/4 में स्थित है (और इससे 'उपाखद अनुसूची' में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तहसील-पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 877/1341 जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की ओरा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या मर्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधित्यों, अवतृ :—

10—44 6GI/78

(1) श्री हरबन्स सिंह पुत्र नव्या मिह, गांव : घरियाला, तह० पट्टी, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री जमबीर सिंह पुत्र तारा सिंह, गांव-घरियाला, तह० पट्टी, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 उपरोक्त में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्णन होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अन्तस्थी

50 कनाल 6 मरले जैसा कि खमरा नं० 174/17/2-24-25, 173/21, 178/1/2-1/1, 177/4/2-5-7-5 गांव : घरियाला, तहसील-पट्टी, जैसा कि रजिस्ट्री नं० 874/134 जून, 1978 का, रजिस्ट्री कर्ता-पट्टी की अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29-12-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर, 1978

निदेश सं० अमृतसर/78-79/103—यतः, मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 45 कलान- 10 मर्गे गांव कुरक विण्ड तह
पट्टी, जिला—अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पट्टी—जिला—अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 1245/1 जून, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) गेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपत्राग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहन :—

(1) श्री दर्शन मिह पुत्र हजारा मिह जट, गांव भूरा, खोरियौं,
पट्टी तह० जिला—अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जीन मिह पुत्र चरन मिह, गांव—कुरक विण्ड
तहसील पट्टी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि उपरोक्त नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में शब्द रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

45 कलाल 10 मर्गे गांव कुरक विण्ड तहसील—पट्टी, जिला—
अमृतसर 1245/1 जून, 1978 तहसील—पट्टी जिला—अमृतसर,
रजिस्ट्रीकर्ता तह०: पट्टी का है।

एम० एन० महाजन,
सशम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29 दिसम्बर 1978।

मोहर :

प्रलेप मार्ट्ट० टो० एम० एम० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निवेश सं० अमृतसर/78-79/104—यतः, मुझे, एम०
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 59/20-21, 77/5-6, 15, 16 और 17, 24-25 है, जो 64 कनाल 7 मरले गांव : माढी, मेघा तह० पट्टी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तहसील : पट्टी, जिला—अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 866/772, जून, 1978

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संवत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्दह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर आयनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

(1) श्री कुन्दन सिंह, पुत्र श्री उजागर सिंह, निवासी, माड़ी गांधा, तहसील पट्टी जिला—अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री कण्ठमीर मिह, हर्बन्म मिह, पुत्र श्री लखा मिह, गुरदीप मिह बलका मिह, गांव : माढी मेघा, तहसील : पट्टी, जिला—अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है, यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई अन्य व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रदृश्य गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64 कनाल 7 मरले गांव : पट्टी माड़ी मेघा तह० : पट्टी, जिला—अमृतसर, जैसा कि 773/866 जून, 1978 का, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता—तहसील पट्टी, जिला—अमृतसर।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 29-12-1978।

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिसम्बर 29 दिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० यम० आर/78-79/105—अतः मुझे
एम० एल० महाजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पारात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-व के अधीन सकम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि, पाकानाक 16 मरले हैं, जो गांव
दलारी, तह० पट्टी, जिला-अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पट्टी, जिला-अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1978।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में
लिखित बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे शब्दने में सुविद्धा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बग-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविद्धा
के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की भारा 269 व के अनुसरण
में मैं; उक्त प्रधिनियम की भारा 269 व की उपभारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री हयाल सिंह पुत्र तेजा सिंह गांव : दलारी, तहसील :
पट्टी, जिला-अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री गुरमेज सिंह, गांव-दुलारी,
तहसील-पट्टी, जिला-अमृतसर।

(अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई अन्य किरायेदार हो
तो।

(वह अक्षित जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में द्वचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एवं
लिखित में किए था सकेंगे।

प्रष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अध्यंहोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि 41 कनाल 16 मरले गांव दलारी, तह० पट्टी,
जिला-अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्री नं० 864/670 जून, 1978
रजिस्ट्री तहसील : पट्टी, जिला-अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन,
सकम प्राप्तिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेज, अमृतसर।

तारीख : 29 दिसम्बर, 1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली।
नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/III/1-79/325/5282:—
अतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० 4426 वाड़ नं० 16, है तथा जो गली नं०
55-56, रेगरपुरा करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे
उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
रद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्री दयावन्द गुप्ता पुल श्री राम किशन श्री नन्द किशोर
गुप्ता पुल श्री राम करत निवासी मकान सं० 4426,
वाड़ नं० 16, गली नं० 55-56, रेगरपुरा, करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी गोयल, पत्नी श्री राम धारी गोयल
व श्रीमती कमला देवी गोयल पत्नी श्री साधू राम गोयल,
निवासी 66/2240, नाईवाला करोलबाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ऐर पब्लों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रय होगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

एक डाई मंजिला पब्लो मकान म्युनिसिपल नं० 4426 वाड़ नं० 16, खसरा नं० 1376, गली नं० 55-56, ब्लाक नं० एफ० जो 50 वर्ग गज जमीन पर है श्रीर रेगरपुरा करोलबाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : खसरा नं० 1377 मकान प्रभूदयाल

पश्चिम : खसरा नं० 1375 मकान मंगला राम

उत्तर : गली

दक्षिण : गली

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-1-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

निवेश सं० प्राईंटी० ए० सी०/एक्य०/III/1-27/326/5282:-
अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 5681 वर्ग गज भूमि है तथा जो नांगलोई जाट गांव, किरारी रोड, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1978 को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. चौधरी रोहनास, सुपुत्र चौधरी ली राम, निवासी गांव नांगलोई जाट, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० बावरा गलू मनीफैक्चरिंग कं०, 202, कटरा बरियन दिल्ली (फतेहपुरी), इनके हिस्सेदार श्री जर्तीन्द्र पाल सिंह बाबा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मम्पति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हिन्दू बस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5681 वर्ग गज है तथा जोकि मुस्तातिल नं० 6 किला नं० 11 तथा मुस्तातिल नं० 7, किला नं० 15 का हिस्सा है, नांगलोई जाट, किरारी रोड पर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	श्री भीरु की भूमि
पश्चिम :	मै० बाबा गलू मनीफैक्चरिंग कं० की जायदाद
दक्षिण :	मै० हिन्दुस्तान जरनल इंडस्ट्रीज की जायदाद
उत्तर :	विक्रेता की भूमि।

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० इस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1979

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्य०/III/1-79/327/5282:-
अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है,

और जिसकी मं० भूमि का क्षेत्रफल 1850 वर्ग गज है तथा जो नांगलोई जाट गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची गे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरको) और प्रस्तरती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की धारा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और,

(ख) ऐसों किसी ग्राम या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27), के प्रयोगनाले अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना चाहिए, लियाने में सुविधा के लिए।

अब अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रत्येक अधीन निम्नलिखित अर्थितयों अर्थात् :-

1. श्री रोहताम, सुपुत्र श्री लिलो राम, लिवासी नांगलोई गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० बाबा गलू मनिकैवर्चरिंग कं० 202, कटरा बरियन, फतेहपुरी, दिल्ली। इनके हिस्सेदार श्री जी० एस० गुलाटी, सुपुत्र भाई० गन्डा मल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1850 वर्ग गज है तथा जोकि मुस्तातिल नं० 6, किला नं० 11 तथा मुस्तातिल नं० 7, किला नं० 15 का निस्सा है, नांगलोई जाट, किरारी गोड़ पर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है :—

पूर्व : श्री भोर्ह मल की भूमि

पश्चिम : किरारी गोड़

उत्तर : श्री रोहतास की भूमि (विक्रेता)।

दक्षिण : मै० बाबा गलू मनिकैवर्चरिंग कं० की फैक्टरी

डी० पी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-1-1979

मोत्र :

प्रहृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1979

सं० प्राईंट ए० सी०/एक्य०/II/मई-94/3852/78-79/
5306—ग्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के
प्रधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० 69 है तथा जो नजफगढ़रोड़ दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

4-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती
(अन्तरियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी फ़िरी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
न्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थं प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिसे जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपचारा
(1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अक्षियों, प्रवर्द्धः—

1. म० जीवन इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 69 नजफगढ़ रोड़
दिल्ली। इनके मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जीवन लाल
विरमाणी के द्वारा।
(अन्तरक)
2. मै० इन्डिया एक्सपोर्ट्स हाउस प्रा० लि० 23 वैस्ट
पटेल नगर नई दिल्ली-8 इनके डायरेक्टर श्री अशोक
मच्चेव सुपुत्र श्री चुनी लाल मच्चेव के द्वारा।
(अन्तरिन)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त मध्यनि के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित
में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रद्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस
प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 69 है और क्षेत्रफल 12.41 एकड़ है
इन्डस्ट्रीयन एरिया नजफगढ़ रोड़ दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है :

पूर्व :	प्लाट नं० 70
पश्चिम :	रोड़
उत्तर :	रोड़
दक्षिण :	रोड़

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 16-1-1979
मोहर :

प्रूप्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 16 जनवरी 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/II-मई-56/3822
7879/5306:—अक्षत मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सी०-22 है तथा जो बंगलो रोड़ आदर्श नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11-446GI/78

1. श्री राय इन्द्र नाथ डासूजा सुपुत्र श्री रघुनाथ दास डासूजा तथा श्रीमती धान देवी पत्नी श्री आर० डी० डासूजा निवासी सी०-6/7, माडल टाउन दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री टी० आर० भानसली श्री के० एल० भानसली श्री एक० भानसली रत्नजीत भानसली श्री एम० के० भानसली तथा श्री पी० एम० भानसली सभी सुपुत्र श्री भानवाराज भानसली निवासी ए०-25 सी० सी० कालौनी दिल्ली-7।

को यह सूचना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जारी लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20वा में परिभाषित में है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोर्ड प्लाट जिसका नं० 22 ब्लाक नं० 'सी' है और कोनफल 400 वर्ग गज है बंगलो रोड़ आदर्श नगर दिल्ली-33 में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	प्लाट नं० 24 पर मकान
पश्चिम :	रोड़
उत्तर :	गली
दक्षिण :	रोड़

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 16-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० ए सी क्य०/23-I-1713 (742)/16-6/77-78--

श्रृङ्खला: मुझे एम० सी० परीख

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 460 पैकी है तथा जो कालापड़ रोड़ तथा शैरा रोड़ के बीच राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है, और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविद्धा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग तार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्धा के लिए;

अस्त: अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष को उपचारा (1) के अधीन, निम्नान्वित अधिकारी, शर्वा :—

(1) सर्वोदय केलवाणी समाज राजकोट सार्वजनिक दृस्ट के — श्री जयंती नाल गोविंदजी भाई तथा अन्य राजकोट।

(अन्तरक)

(2) राजकोट नागरीक सहकारी बैंक परीवार को० ओ० रा० सो० लि० क० श्री वसंतभाई ब्रजलाल भाई खोबानी तथा अन्य नागरीक भवन नं० 1 डेवरभाई रोड़ राजकोट-1

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल एकड़ 3-29 गुंठा है और जिसका सर्वोन्में 460 पैकी है जो कालापड़ रोड़ तथा शैरा रोड़ के बीच राजकोट में स्थित है तथा इसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 312 मई 1978 में दिया गया है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज II अहमदाबाद

तारीख: 21-10-1978।
मोहर:

प्रूँप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 22 दिसम्बर 1978

सं० ए०सी० क्य०-३३-१-१७६० (764)/१६-६/७७-७८—

अन्तः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 123 प्लाट नं० 249 पैकी है तथा जो बढ़वाण रोड बेडीपरा राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गांतवेन मदनीमाई बेडीपरा पांकरापोल के पाम टांकी राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रलाल कल्याणजीभाई लाटी प्लाट शेरी नं० ५ राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुक्रमः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 123 प्लाट नं० 249 पैकी वाली जिसका क्षेत्रफल 236 वर्ग गज है जो आजी नदी पुन ओमिंग बेडीपरा बठवाण रोड की तरफ राजकोट में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन ता० 1-5-1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 1636 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
महायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख : 22-12-1978

नोहरः

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

प्रह्लमदाबाद विनांक 24 अक्टूबर 1978

सं० ए० सी० क्य० 23-I-1729/(744)/11-1/77-78:—
अतः मुझे, एस० सी० परोख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 16-8400, 8400 तथा 9357 वर्ग मीटर के तीन टुकड़े हैं तथा जो गांव साबलपुर राजकोट जूनागढ़ द्वारा रोड जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

(1) श्री पेशलाजी नाथा भाई चावड़ा जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री रायमन भाई राजामाई नूतन सोलवन्ट इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० के० डायरेक्टर गांव-साबलपुर जिला-जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 16, 8400, 8400 तथा 9357 वर्ग मीटर के तीन टुकड़ों में जो कि गांव साबलपुर जिला जूनागढ़ में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जूनागढ़ अलग रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकृत तीन अलग बिक्री दस्तावेज नं० 732 ता० 22-5-78 नं० 750 ता० 23-5-78 तथा नं० 751 ता० 23-5-78 में दिया गया है।

एस० सी० परोख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 24-10-1978

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एस०क्य०-23-I-1701(746)/11-2/77-78:-
अतः मुझे, एस० सी० परीख,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
से प्रधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है।
और जिसकी सं० प्लाट नं० 5, लेखा नं० 6/99 कृष्ण कृपा नामक
मकान है जो वेशपाल जूनागढ़ रोड के बीच जूनागढ़
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के बीच
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
15-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के निये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई इसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमत्रक के धायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रासितियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधि-
प्रमत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में त्रुटिया के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रथात् :—

(1) 1. श्री परसोत्तम माधवजी जोशी (2) श्री अरबीद-
भाई जेठामल लाल पटेल, स्टेशन रोड के शोद जि०
जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री भनजी प्रेमजी पटेल गेलाना ता० के शोद
जि० जूनागढ़ (2) श्री भावा भनजी पटेल गेलाना
ता० के शोद जि० जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीर्वस्त्री अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अष्टाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वजनिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'श्री कृष्ण कृपा, नाम से प्रख्यात मकान जो 330.26 वर्ग
मीटर जमीन पर स्थित है जिसका नं० प्लाट नं० 5 लेखा नं०
6/99 है और वरावल जूनागढ़ रोड के बीच द्वारा रजिस्ट्री किये गये ता०
15-5-1978 वाले बिश्री दस्तावेज नं० 647 में जिसका पूर्ण
विवरण दिया गया है।'

एस० सी० परीख,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-10-1978

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० ए सी क्य० 23-I-1704 (751)/16-5/77-78:—
अतः मुझे एस० सी० परीक्षा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 168 नं० 8-10/100- है तथा बारी जीपा पूँजीराज पारा प्लाट मोबी जिला : राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) तो यह राजीवन्नरारी के राजीवन्नरारी के राजीवन्नरारी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रभारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बचन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उद्धारा (1) के अधीन, निम्ननिम्न गमियों, अर्थात् :—

(1) श्री रक्षमणी बेन जयंतिलाल भोजानी खोजा चाना घोरी मोबी जिला : राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) मैं० मोबी टाईम इवन्डस्ट्रीज अपने भागीवारों द्वारा :
(1) खोड़ीदास करारामा॒ श्राई (2) महादेव खोड़ीदास
(3) चतुरीमा॒ खोड़ीदास (4) भगवानजी खोड़ी-
दास शबनी प्लाट स्ट्रीट नं० 12 मोबी जिला :
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौद्योगिकी, आयकर प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

गोडाउन की इमारत जो 4009 वर्ग फुट जमीन पर स्थित है जो प्लाट नं० 168 नं० 8-10/100-I वरीजीया पूँजीराज पारा प्लाट मोबी में स्थित है जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मोबी द्वारा 1-5-1978 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1695 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1978।

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० एसीक्य० 23-I-1833 (753)/1-1/78-79—

अतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिनकी मं० फायनल प्लाट नं० 744, 745 सब प्लाट नं० 2 ए है तथा जो टी० पी० एम०-३ एलीमस्ट्रीज अंगावाडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मंजुबेन जेकीशनदास पटेल नेताजी सुभाष रोड एलीमस्ट्रीज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) निमीगा ओपार्टमेन्ट्स को० ओ० हूड सींग सोसायटी श्री राजेन्द्र कुमार बलदेवदास गज्जर के मारफत बं० नं० 9 शांती शीखर सोमायटी मणीनगर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 847 वर्ग गज है तथा नं० फायनल प्लाट नं० 744 तथा 745 के सब प्लाट नं० 2 है जो टी० पी० एम०-३, एलीमस्ट्रीज, अंगावाडी अहमदाबाद में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन ता० 18-5-1978 को रजिस्ट्री दिये गये थिए दस्तावेज नं० 4886 में दिया गया है।

एम० सी० परीख,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 21-11-1978
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

मं. ए सी अ. 23-1-1712(754)/16-6/77-78—

श्रेष्ठ: मुझे एस० सी० परीक्ष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० विलिंग
दीपक नाम से प्रखान प्लाट नं० 36
है तथा जो 4-5 रामकृष्ण नगर राजकोट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1978

को पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक
(अन्तरकों) और अनुरिती (अनुरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से दृई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपरांत (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) रुकमणीबेन रतीना-भाई पारेख शेरी नं० 4-5
रामकृष्ण नगर राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ताक्षमी सवाईनालमाई पारेख दीपक
4-5 रामकृष्णनगर राजकोट।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मालिकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में कितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

'दीपक' नाम से प्रब्लेम दो मंजील का मकान जो 233
बां गज भौत्रफल आली जमीन पर खड़ा है तथा जो शेरी नं०
4-5 रामकृष्णनगर राजकोट में स्थित है और जिसका पूर्ण
वर्णन ता० 26-5-78 को रजिस्ट्री किये गये थे बिक्री दस्तावेज नं०
2114 में दिया गया है।

एम० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 21-11-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओर
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवंबर 1978

सं० एस सी ब्य०/ 23-I-1699 (755)/11-I/77-78:—

अतः मुझे एस० सी० परीक्षा

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओर 269 वा (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं० 363 है तथा जो गांधीग्राम कोलोनी, शीशुमंगल रोड, जूनागढ़ में स्थिति है (और इसमें उपाबद्ध अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तारक (प्रस्तारकों) और प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या प्रम्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की ओर 269-वा (1) के प्रदृशरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की ओर 269-वा (1) की उपस्थापा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—
12-446 GI/78

(1) श्री ठक्कर रणजीतदास नानजी भाई, 364, सीग-रेटवाला, बिलिंग, न० 36, सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, बम्बई-40004।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विनोद कुमार बछराज घोलकीया,
2. श्रीमती रंसाबेन मणीताल, चोकसी बक्सार, जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक निए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी प्रम्य अधिकता द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अमृतसूची

मकान, जो कि 500 वर्गमीटर और फल वाली जमीन पर बड़ा है तथा जिसका प्लाट न० 363 है जो गांधीग्राम कोलोनी शीशुमंगल रोड, जूनागढ़ में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन न० 24-5-1978 को रजिस्ट्री किये गये जो की दस्तावेज न० 761 में दिया गया

एस० सी० परीक्षा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद.

तारीख : 21-11-1978.

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर, 1978

सं० प्र० सी० क्य०-23-2/1715 (758)/16-6/77-
78—अतः मुझे एम० सी० परीक्षा

ग्रामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त मधिनियम कहा गया है), की धारा
269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सं० नं० 401/4, पैकी प्लाट नं० 29
तथा 30, मणी प्रभा नाम से प्रख्यात मकान है। तथा जो
मर्म मत्याजीत इडस्ट्रीज, मावडी प्लाट (जमनीवाला प्लाट)
राजकोट, में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 2-5-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन करदेन के अन्तरक के दायित्व में वर्मी
करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर मधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-घ का, उपलब्ध करा-

(1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, मर्मात्:—

(1) अम्बिको इंडस्ट्रीज, पाठनर श्री चंद्रलाल बल्लभदास
चुडायगा, 13, करणपुरा राजकोट, के मारकत।
(अन्तरक)

(2) मैमर्स मत्याजीत इंडस्ट्रीज, पाठनर श्री मगनलाल
रत्नभाई पटेल तथा अन्य के मारकत "मणी
प्रभा", मावडी प्लाट। राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मर्माति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मर्माति के अर्जन के मर्मात्य में कोई भी प्रार्थना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर मर्माति में हितबद्ध किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा अब्दोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्यं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 954 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जमीन पर बड़ा
है, जिसका सर्वे नं० 401/4, पैकी प्लाट नं० 29 तथा
30 है, जो मावडी प्लाट, (जमनीवाला प्लाट), राजकोट में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्गत रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट
द्वारा ता० 2-5-78 को रजिस्ट्रीकूत बीकि दस्तावेज नं०
1663 में दिया गया है।

एम० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 27-11-1978.

मोहर;

प्रस्तुति ग्राही टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास कार्यालय
मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1978

निदण सं० 4682—यतः, मुझ टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 85 (प्लाट सं० 85/4)
है, तथा जो टेलुनघूपालयम ग्राम है, तथा जो कोयम्बटर में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटर
(डाकुमेट सं० 479/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की,
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
म उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपभारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षित :—

1. (1) श्री आर० आर० अर्णव,
- (2) आर० रामकृष्णन
- (3) डाक्टर आर० चेयराम
- (4) मनर राजेप

(अन्तरक)

2. श्री वी० वी० अनन्दन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रान्ति के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रान्ति के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण/टीरास सं० 85 (प्लाट सं० 85/4
टेलुनघूपालयम ग्राम, कोयम्बटर डाकुमेट सं०
479/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 30-12-78

मोहर :

शैक्षिक वर्ष, 1979 के लिए प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता/बम्बई में प्रवेश

नौचालत (एक वर्ष) और मरीत इंजीनियरी (चार वर्षीय) पाठ्य क्रम में उक्त संस्थानों में निम्नलिखित केंद्रों पर ब्राह्मण हर केंद्र पर अध्यर्थियों की पर्याप्त मख्या होने पर, प्रब्रेश के लिए एक संयुक्त लिखित अर्हकारी परीक्षा 24 और 25 मई, 1979 को सम्पन्न होगी।

परीक्षा केन्द्र

1. अहमदाबाद
2. बंगलौर
3. भोपाल
4. बम्बई
5. कलकत्ता
6. चंडीगढ़
7. कटक
8. दिल्ली
9. एनाकुलम
10. गोहाटी
11. हैदराबाद
12. जयपुर
13. लखनऊ
14. मद्रास
15. नागपुर
16. पटना
17. श्रीनगर
18. पोर्ट ब्लेयर
19. त्रिवेन्द्रम
20. विशाखापत्त

परीक्षा के विषय :— (1) प्रंग्रेजी (एक प्रश्नपत्र),
 3 घंटे—100 अंक, (2) गणित (एक प्रश्नपत्र) 3 घंटे—
 100 अंक, (3) भौतिक विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 3 घंटे—
 100 अंक, (4) रसायन विज्ञान (एक प्रश्नपत्र) 1-1/2 घंटे—
 —50 अंक, और (5) सामान्य ज्ञान (एक प्रश्नपत्र)
 1-1/2 घंटे—50 अंक होंगे। अध्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा
 के परिणाम के आधार पर चयन समिति, कलकत्ता/बम्बई
 के समक्ष डाक्टरी जांच और साक्षात्कार के लिए बुलाया
 जाएगा। अध्यर्थियों को यात्रा खर्च स्वयं वहन करना होगा
 और परीक्षा तथा साक्षात्कार केन्द्रों पर भोजन एवं श्रावास
 की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए बशर्ते उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध हों, समस्त स्थान का पन्द्रह प्रतिशत अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए और पांच प्रतिशत अनुसूचित जन-जाति के लिए आरक्षित है।

प्रवेश के लिए योग्यता

(ग) अभ्यर्थियों को निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण होना चाहिए :

- (क) मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा संचालित, गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान पृथक विषयों के रूप में इंटरमिडिएट विज्ञान परीक्षा ।
- (ख) कोई अन्य भविक्षण पाठ्यक्रम अर्थात् शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान के साथ $10+21$
- (ग) जहाँ $10+1$ के पश्चात् 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलता वहाँ पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के साथ डिग्री पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष ।
- (घ) आई० आई० टी०/विश्वविद्यालयों द्वारा मंचालित सेकेंडरी परीक्षा ($10+2$) के बाद 5 वर्षीय इंटेरेट टेक्नोलॉजी/इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा ।

नोट :— १० + २ का ग्रन्तिप्राप्य यह है कि अध्यर्थी को ए० प० ए८० सी०/ए८० प० सी०/मैट्रिलेक्युशन या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् दो वर्षों की अवधि तक अवृद्धि अध्ययन किया होना चाहिए तथा पाठ्यक्रम पूरा किया होना चाहिए। अन्तिम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

(बी) वे अध्यर्थी-गण जिन्हें उपर्युक्त अनुच्छेद (ए) में कथित न्यूनतम शैक्षिक योग्यता प्राप्त हो तथा जो विज्ञान में डिग्री परीक्षा में सम्मिलित हुए हों अथवा सम्मिलित होना चाहते हों, वे भी प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

ଆଯୁ ସୀମା

वे अध्यर्थीण जिनकी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता उक्त अनुच्छेद (ए) और (बी) के अनुसार ही, उन्हें प्रवेश वर्ष के पहली सितम्बर को 20 वर्ष की आयुसीमा के अन्दर होना चाहिए। अर्थात् 1 सितम्बर 1959 को या उसके बाद पैदा हुआ अवश्य होना चाहिए। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति के अध्यविधियों की आयु-सीमा एक वर्ष अधिक होगी।

आवेदन-प्रपत्नी

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय पाठ्यक्रम के लिए केवल एक ही आवेदन प्रपत्र होगा।

आवेदन प्रपत्र रूपये 1/- के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर नौवहन महानिदेशालय, बम्बई के पक्ष में लिया हो तथा जी० पी० ओ०, बम्बई में भुगतान योग्य हो, प्राप्त की जा सकती है।

आवेदन प्रपत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षक), नौवहन महानिदेशालय, जहाजभवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 से, एक लिखित आवेदनपत्र के साथ रु 1/- मूल्य का रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर तथा निजी पता लिख 23 सें० मी० × 10 सें० मी० आकार का, 10 पंसे का टिकट लगा लिफाका संलग्न करके प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन प्रपत्र तथा निजी पता लिखा लिफाका दोनों पर पत्र व्यवहार का पूरा पता स्पष्ट अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। आवेदन-प्रपत्र हेतु प्रार्थनापत्र के लिफाके पर "राजेन्द्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण के लिए आवेदन प्रपत्र हेतु प्रार्थनापत्र"—ये गद्द बायें हाथ की ओर कोने पर शीर्ष भाग में लिफाके पर अंकित होना चाहिए।

विवरण पत्रिका

दोनों पाठ्क्रमों का पूरा विवरण तथा शुल्कों, छात्र-वृत्तियों आदि के विवरण महित विवरणपत्रिका रु 4/- के पक्ष रेखांकित पोस्टल आर्डर के भुगतान पर जो कि

नौवहन महानिदेशक के पक्ष में लिया हुआ हो तथा जी० पी० ओ०, बम्बई में भुगतान योग्य हो, प्राप्त की जा सकती है। विवरणपत्रिका की आपूर्ति के लिए पूरा पात्र व्यवहार का पता स्पष्ट अक्षरों में लिख कर एक अलग आवेदनपत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण) नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 के पास भेजना चाहिए। विवरण पत्रिका आपूर्ति के लिए आवेदन पात्र के लिफाके पर बायें होने पर शीर्ष भाग में "विवरणपत्रिका हेतु नियेदन"—गद्द अंकित होना चाहिए।

अन्तिम तारीख

अविवाहित पुरुष अध्यय्यिणों में विहित प्रपत्र पर सब प्रकार से पूर्ण आवेदनपत्र कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण), नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 के पास 31 मार्च, 1979 को या उससे पूर्व पहुंच जाना चाहिए। रिक्त आवेदन-प्रपत्र को डाक द्वारा आपूर्ति 24 मार्च, 1979 को बन्द हो जाएगी।

ओ० पी० मन्होन्ना
इकिजयूटिव आफिसर
डायरेक्टर जनरल ओडेट शिर्पिंग

SUPREME COURT OF INDIA
(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 2nd January 1979

No. F. 6/79-SCA(1).—Shri S. Ganesan, Principal Private Secretary to the Hon'ble Chief Justice of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 30th December, 1978.

The 12th January 1979

No. F. 6/79-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. N. Joshi, Court Master, as officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 11 January, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th December 1978

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran, permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2-1-1979 to 28-2-1979, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secretary
for Secretary
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 10th January 1979

No. O. II-1032/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Ms) Jyotsnamaj Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from 27-11-1978 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O. II-1103/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. B. Krishna Prasad as GDO; Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th Dec., 1978, until further orders.

The 12th January 1979

No. O. II-1092/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ishwar Dayal as GDO; Gd-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th Sept., 1978, until further orders.

No. O. II-1101/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ganesh Kumar Dewri as a General Duty Officer Grade II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11th Nov., 1978, until further orders.

The 15th January 1979

No. O. II-1097/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Haridas Runjaji Patil as GDO, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6th October 1978, until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th January 1979

No. A-19036/36/78-AD.V.—The Director, CBI and IGP and SPE hereby appoints the following persons as Dy.

Supdts. of Police in CBI/SPE in a temporary capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

S/Shri

1. S. P. Singh—15-12-1978 (Forenoon)
2. J. S. Waraich—15-12-1978 (Forenoon)
3. H. C. Singh—23-12-1978 (Forenoon).

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (A)
C.B.I.

New Delhi, the 10th January 1979

F. No. P-4/73-Ad. V.—Consequent on the expiry of six months' re-employment period in the C.B.I., Shri P. V. Hingorani relinquished charge of the Office of Additional Director, Central Bureau of Investigation on the afternoon of 31-12-1978.

K. K. PURI
Deputy Director (Adm.)
C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 29th December 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Madras Shri L. M. Devasahayam relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Sriharikota Range, w.e.f. the afternoon of 12th Dec., 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Madras, Major R. C. Ramaiah, assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Sriharikota Range with effect from the forenoon of 22nd Dec., 1978.

NARENDRA PRASAD
Asstt. Inspector General (Pers.)
CISF Hqrs.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 11th January 1979

No. Admn. I/O.O. 469/5-5/Promotion '78-79/2104.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer, with effect from the forenoon of 1st January, 1979 until further orders.

S. No. & Name

1. Shri R. B. L. Aggarwal.

Sr. Deputy Accountant General (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
GUJARAT

Ahmedabad-380 001, the January 1979

No. —.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from date shown against each until further orders.

Sl. No., Name and Date
S/Shri

1. T. A. Subramanian—23-11-1978 (FN).
2. P. I. Chokshi—23-11-1978 (FN)
3. N. J. Mehta—23-11-1978 (FN)
4. M. Ramachandran—23-11-1978 (FN)
5. P. G. Rajamani—23-11-1978 (FN)
6. R. G. Nair—23-11-1978 (FN)
7. H. S. Danak—27-11-1978 (FN)
8. V. N. Trivedi—23-11-1978 (FN).
9. V. M. Shah—23-11-1978 (FN).

K. P. LAKSHMANA RAO
Deputy Accountant General (Adm.)
Office of the Accountant General
Gujarat, Ahmedabad-380 001

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA I

Bombay 400 020, the 28th December 1978

No. Admn. I/Genl/31 Vol. III/Cl(1)/11.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date mentioned against each, until further orders :

1. Shri R. G. Beligiri—21-10-78 (AN)
2. Shri G. B. Sardesai—28-10-78 (FN)
3. Shri P. T. Dhole—1-11-78 (FN)
4. Shri M. M. Kulkarni—1-12-78 (FN)
5. Shri D. R. Jirgale—1-12-78 (FN).

Smt. R. KRISHNAN KUTTY
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL A.P.
Hyderabad, the 1979

The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri R. Ranganathan-I a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 with effect from 1-1-1979 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. MUKHERJEE
Senior Deputy Accountant General (Admn)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 27th December 1978

No. 44016(1)/73-AN-II.—The President is pleased, as an interim measure, to appoint *ad hoc* the following Junior Administrative Grade officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000—125/2—2250) of that Service with effect from the dates shown against them, until further orders.

Sl. No., Name and Date of Promotion
S/Shri

1. R. N. Tyagi 20-12-1978 (FN).
2. K. Sampath Kumar 20-12-1978 (FN).
3. B. Swaminathan 20-12-1978 (FN).

R. L. BAKHSHTI
Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 9th January 1979

No. 1/79/G.—The President is pleased to appoint Shri Amarendra Kumar Singh as Asstt. Manager (Prob.) with effect from 6-9-1978 (FN).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 6th January 1979

FST. I-2(432)/132.—Dr. K. I. Narasimhan, Additional Textile Commissioner in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, has retired from service from the afternoon of 31st December 1978 on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA
Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 15th January 1979

No A-1/1(1068).—On their reversion to the post of Junior Progress Officer, S. Shri Dev Raj and S. S. Mago, officiating Assistant Directors (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi relinquished charge of their posts on the afternoon of 30th December 1978.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 21st December 1978

No. A6/247(298).—Shri G. S. Makhija permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31st October 1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

A6/247(345).—Shri M. S. Naik permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31st October 1978 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 11th January 1979

No. A-17011/145/78-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri B. K. Arya, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection Calcutta to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on *ad hoc* basis in the same office under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 2nd December 1978 and until further orders.

No. A-17011/146/78-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri P. N. Phagre, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, N.I. Circle New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on *ad-hoc* basis in the office of DI, Bombay under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 12th December 1978 and until further orders.

No. A-17011/147/78-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri P. N. Phagre, Examiner of Stores (Engg.) in the office of D.I. Bombay to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on *ad hoc* basis in the same office under this Dte. General w.e.f. the forenoon of 30th November 1978 and until further orders.

P. D. SETII
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPTT. OF STEEL)

IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 26th December 1978

FI-12(89)/75(.).—On attaining the age of superannuation Shri B. B. Biswas, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 30th November 1978.

The 4th January 1979

Admn. P.F. (421).—On attaining the age of superannuation Shri T. M. Sanvul, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st December 1978.

S. K. BASU
Dy. Iron and Steel Controller
for Iron and Steel Controller

**SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE**

Dehra Dun, the 9th January 1979

No. C-5455/718-A.—Shri K. V. Krishnamurthy, Officiating Office Superintendent (Sr. Scale), Centre for Survey Training and Map Production, Survey of India, Hyderabad is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12th December 1978 (F.N.) vice Shri Van Khuma, Establishment and Accounts Officer (on *ad hoc* basis) proceeded on leave for 39 days from 12th December 1978.

K. L. KHOSI.A
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th January 1979

No. 10/2/78-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Dipak Kumar Dutt as Assistant Engineer at High Power Transmitter, All India Radio, Chinusurah in a temporary capacity with effect from the 1st November 1978, until further orders.

No. 10/9/78-SIII.—The Directorate General, All India Radio is pleased to appoint Shri Arvind Narayan Dixit to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Calcutta with effect from 13th October 1978 (F/N) until further orders.

HARJIT SINGH
Dy. Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 8th January 1979

No. 7(181)/58-SI.—Shri U. Krishna Murthy, Programme Executive, All India Radio, Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of the 30th November 1978 on attaining the age of superannuation.

A. K. BOSE
Dy. Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

**DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi, the 9th January 1979

No. A.38013/1/79-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri K. L. Chandiok, Supervisor in this Directorate retired from Government service on the afternoon of 31st December 1978.

R. DEVASAR
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th January 1979

No. A.12025/1/78(HQ)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Saxena, Chemist Homoeopathic Pharmacopeia Laboratory, Ghaziabad, to the post of Deputy Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services in the forenoon of the 20th December 1978 on a temporary basis and until further orders.

No. A.32014/4/78(SJ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Jaswant Ram, Assistant Administrative Officer, Safdarjung Hospital, New Delhi to the post of Stores Officer in the same Hospital, with

effect from the forenoon of the 26th December 1978 on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

Consequent upon his appointment to the post of Stores Officer, Shri Jaswant Ram relinquished charge of the post of Assistant Administrative Officer at the Safdarjung Hospital with effect from the same date.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Admn. (O&M)

**MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)**
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad-121001, the 12th January 1979

No. A.31014/5/78-AI.—Shri B. A. Sarnobat is hereby appointed substantively to the permanent post of Chief Chemist in the Directorate of Marketing Inspection w.e.f. 16th May 1976.

2. Shri Sarnobat's lien in the post of Marketing Officer (Group III) shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Chief Chemist.

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 8th January 1979

No. A.19024/5/78-A.II.—The short-term appointment of Shri Chandra Prakash to the post of Chief Chemist has been extended upto 31st March 1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 9th January 1979

No. A.19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st March 1979, or until regular arrangements are made, whichever is earlier:—

S/Shri

1. R. S. Singh.
2. B. N. K. Singha.
3. A. N. Rao.
4. R. V. S. Yadav.
5. M. P. Singh.
6. H. N. Rai.
7. D. N. Rao.
8. S. P. Shinde.
9. R. C. Munshi.
10. K. K. Tiwari.
11. S. K. Mallik.
12. S. D. Kathalkar.
13. R. K. Pande.
14. M. J. Mohan Rao.
15. K. K. Sirohi.
16. Smt. Ansuya Sivarajan.
17. V. E. Edwin.
18. S/Shri S. P. Saxena.
19. N. G. Shukla.
20. R. C. Singhal.
21. H. N. Shukla.
22. K. G. Wagh.
23. S. Suryanarayana Murty.
24. V. L. Vairaghar.
25. S. R. Shukla.
26. M. C. Bajaj.
27. N. S. Chelapati Rao.
28. K. Jayanandan.

No. A.19025/75/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri S. T. Raza, officiating as Assistant Marketing Officer on short term basis, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 25th November 1978 (F.N.) until further orders.

No. A.19025/111/78-A.III.—Shri S. A. Shamvi, Senior Inspector has been promoted to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad with effect from 29th December 1978

(A.N.) upto 31st March 1979, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing and Inspection

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

The 28th December 1978

No. PPED/3(285)/76-Adm./16560.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri B. D. Tambe, a permanent Lower Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 27, 1978 to the afternoon of December 30, 1978 vice Shri C. R. Valia. Accounts Officer-II proceeded on leave.

The 28th December 1978

No. PPED/3(333)/78-Adm/17170.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay, is pleased to appoint Shri C. Krishnan, Ex-Serviceman as Scientific Officer/Engineering-Grade 'SB' (Transport Officer) in this Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 27, 1978 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad- 500 762, the 15th December 1978

ORDERS

Ref. No. NFC/PA. V/20/2081.—WHEREAS, Shri Omar Ansari while employed a Fireman in Nuclear Fuel Complex, remained absent from duty from 20-5-78 unauthorisedly,

AND WHEREAS NFC Memorandum No. NFC/PA.II/O-4/FS/2051 dated 13-9-1978 directing the said Shri Ansari to report for duty sent by Registered Post Acknowledgement due to the last known address of the said Shri Ansari at DAE Housing Colony (Quarter No. C-2/2), Hyderabad, was returned undelivered by the postal authorities with the remark "continuously absent at delivery place",

AND WHEREAS, NFC Memorandum No. NFC/PA. II/O-4/2786 dated 4-11-1978 directly the said Shri Ansari to report for duty immediately sent by Registered Post Acknowledgement Due to the permanent address at H. No. 23-5-89, Syed Ali Chabutra, Shah Ali Banda, Hyderabad, was also returned undelivered by the postal authorities with the remark "left",

AND WHEREAS, the Memorandum dated 4-11-1978, referred to in the preceding paragraph was sent to the last known address of Shri Ansari at DAE Housing Colony by Registered Post Acknowledgement Due on 24-11-1978 and the same was also returned by the postal authorities undelivered with the remark "party continues absent. Hence returned to the sender".

AND WHEREAS, the said Shri Ansari continued to remain absent from duty and failed to inform NFC of his whereabouts.

AND WHEREAS, the said Shri Ansari has been guilty of absenting from duty without permission and voluntarily abandoning the service,

AND WHEREAS, because of his abandoning the service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules 1965,

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders

13—446GI/78

read with DAE order No. 22(1)/68 dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of the CCS (CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Omar Ansari from service with immediate effect.

The 6th January 1979

Ref. No. NFC/PA. V/20/38.—WHEREAS it was alleged that

Shri D. Krishna, while employed as H/B, MES, is in the habit of remaining absent from duty without prior permission and causing dislocation of work. The said Shri Krishna remained absent from duty on 2 occasions during the months of October and November, 1977 inspite of the imposition of penalty of suspension for 4 days without wages, *vide* order No. NFC/PA. V/20/K-95/2090 dated 28-9-1977.

The said Shri Krishna is remaining absent from duty without prior permission or any intimation with effect from 10-11-77.

AND WHEREAS a memo was issued to the said Shri Krishna by the undersigned on 18-12-1977 intimating the said Shri Krishna that it was proposed to hold an inquiry against him for the misconduct of unauthorised absence, it the article of charge was not admitted.

AND WHEREAS the said memo dated 18-12-1977 was received by the said Shri Krishna on 22-12-1977 but he failed to submit any explanation in response to the above said memo,

AND WHEREAS the copy of order dated 30-1-1978 appointing the Inquiry Officer to inquire into the charges, sent to the said Shri Krishna was received by him on 1-2-1978,

AND WHEREAS the notices sent by the Inquiry Officer on 10-6-78 and 14-11-78 to Shri Krishna, requiring him to appear for the inquiry were returned undelivered by the postal authorities with the remarks 'left' & 'left without instructions' respectively,

AND WHEREAS the said Shri Krishna continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Krishna is guilty of remaining unauthorisedly absent from duty and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, it is not practicable to hold an inquiry as contemplated in the NFC Standing Orders and/or under rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Krishna from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN
Senior Administrative Officer

Hyderabad-500 762, the 18th December 1978

ORDERS

Ref. NFC/PA. V/20/2098.—WHEREAS Shri B. Syam Prasad, while employed as Tradesman 'C', MES, failed to report for duty at the expiry of the leave granted to him from 22-1-1978 to 7-2-1978 and continued to absent from duty without proper authority,

2. AND WHEREAS the said Shri Syam Prasad submitted his resignation dated 1-3-1978 which was received in NFC only on 22-3-1978 without giving three months notice as required under the terms of the appointment,

3. AND WHEREAS the said Shri Syam Prasad has not reported for duty even though his resignation has not been accepted,

4. AND WHEREAS the NFC Memorandum No. PA.IV/P-41/MES/627 dated 30-3-1978 stating that Shri Syam

Prasad is required to give three months notice or wages in lieu thereof, that there were other outstanding dues from his and that his resignation could not be accepted unless he settled his dues to the Government, sent to the said Shri Syam Prasad to the last available address at Secunderabad was received back with the remark of the postal authorities 'Left'.

5. AND WHEREAS the memorandum dated 30-3-1978 referred in the preceding paragraph sent again to the said Shri Syam Prasad addressed to him to the last available home town address at Dowleswaram, was also received with the remark of the postal authorities 'addressee not residing at Dowleswaram'.

6. AND WHEREAS the said Shri Syam Prasad failed to keep the NFC informed of his whereabouts.

7. AND WHEREAS the aid Shri Syam Prasad is guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service, though his resignation has not been accepted.

8. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 49 of the NFC Standing Order and/or rule 14 of the CCS(CCA) Rules 1965,

9. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with first sentence of para 48.2 thereunder and/or under rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Syam Prasad from service with immediate effect.

The 6th January 1979

Ref. No. NFC/PA. V/20.—WHEREAS Shri C. Ramakrishna, T/C, MES, NFC failed to report for duty on expiry of the leave granted to him for 9 days from 20-1-1978 to 30-1-1978, with permission to suffix 31-1-1978 (Weekly off).

AND WHEREAS FNC memo No. NFC/PA. IV/MES/R-342/2927 dated 15-11-1978 directing the said Shri Ramakrishna to join duty immediately, sent by registered post acknowledgement due to the last known local address, viz., H. No. 1098 SFT, Sanathnagar, Hyderabad-18 and also to the home-town address, viz., S/o Late C. Venkatappa, Maradapally, East Kothapet, Chittor District were returned by the postal authorities with the remarks "Left" and "Not known" respectively,

AND WHEREAS the said Shri Ramakrishna continued to be absent from duty, and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Ramakrishna has been guilty of not returning to duty on the expiry of leave and voluntarily abandoning service.

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders, and/or Rule 14 of the CCS(CCA) Rules, 1965,

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No 22(1)/68-Adm, dated 3-12-1970 and/or Rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri C. Ramakrishna, with immediate effect.

The 9th January 1979

Ref. No. NFC/PA. V/20.—WHEREAS Shri N. Sivaraman T/C, FFP remained absent from duty from 15-2-1978 without permission,

AND WHEREAS vide memorandum No. PO. IV/FF/S-25/2032 dated September 8, 1978, the said Shri Sivaraman was directed to report for duty immediately.

AND WHEREAS a copy of the memorandum dated September 8, 1978, referred to above in the preceding para-

graph sent by Registered post with acknowledgement due to the last known local address of Shri Sivaraman, viz. H. No. 4.7.699, Esamia Bazar, Kothi, Hyderabad, was returned undelivered with the remark that the addressee has left,

AND WHEREAS one copy of the said memorandum dated September 8, 1978 sent to the hometown address of Shri Sivaraman viz., Kunnamthirayal House, Ponnazhe, Kerala State by registered post with acknowledgement due was acknowledged on 23-9-1978,

AND WHEREAS the said Shri Sivaraman continued to remain absent from duty even after the receipt of the memorandum dated 8-9-1978,

AND WHEREAS memorandum No. NFC/PA. V/20/1951 dated November 26, 1978, proposing to hold an enquiry against Shri Sivaraman for his unauthorised absence sent by registered post with acknowledgement due to the last known local address viz. H. No. 4.7.699, Esamia Bazar, Kothi, Hyderabad, was returned undelivered with the remark "LEFT",

AND WHEREAS another copy of the aid memorandum dated November 26, 1978, sent to the permanent address of Shri Sivaraman, viz., Kunnamthirayal House, Ponnazhe, Kerala, by registered post with acknowledgement due has also been returned with the remark "NOT KNOWN".

AND WHEREAS the said Shri Sivaraman has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Sivaraman has been guilty of voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965,

AND NOW, THEREFORE the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm, dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri N. Sivaraman from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR
Dy. Chief Executive

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th January 1979

No. A. 12034/4/78-EA.—Shri R. D. Nair, Aerodrome Officer, Bombay Airport, Bombay relinquished charge on the 31st December, 1978 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 4th January 1979

No. A. 32014/1/76-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued *ad hoc* appointment of Shri N. Subramaniam to the post of Assistant Electrical and Mechanical Officer, for a further period from 1-10-1978 to 30-11-1978.

The 6th January 1979

No. A. 32014/1/76-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. Subramaniam to the post of Assistant Electrical and Mechanical Officer with effect from 1st December, 1978 on a regular basis and until further orders.

The 8th January 1979

No. A. 32013/15/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Ahluwalia, Assistant Technical Officer,

Aeronautical Communication Station, Jaipur to the grade of Technical Officer on regular basis w.e.f. 29-11-1978 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Palam.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th January 1979

No. 1/237/78-EST.—Shri M. V. Kini, Peim, Assistant Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay, retired from service on the afternoon of the 31st August, 1978.

No. 1/369/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bhagat Singh, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch for the period from 30-7-77 to 15-11-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy on *ad hoc* basis, and at Madras Branch w.e.f. forenoon of the 28th November, 1977 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/407/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Saha, Senior Foreman, Calcutta Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 17th August, 1978, and until further orders.

No. 1/430/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Narain Singh, Superintendent, Dehra Dun as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 21st July, 1978 to 26th August, 1978 (both days inclusive), against a short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

P. K. G. NAYAK
Director (Adm.),
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA VIDYALAYA

Dehra Dun, the 11th January 1979

No. 16.300/78-ESTS-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri S. S. Rawat, Office Superintendent, Forest Research Institute & Colleges, as Assistant Registrar in the same office, with effect from the forenoon of 11th January, 1979, on a temporary basis until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv,

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 17th October 1978

No. 35/1978.—Shri V. Chaturvedi officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur Division-II handed over the charge of Superintendent M.O.R. XII in the afternoon of 31st July, 1978 to Shri A. K. Khullar, Superintendent and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-7-1978.

The 20th December 1978

No. 49/1978.—Shri N. N. Mathur officiating/confirmed Superintendent, Central Excise, Group 'B' M.O.R. VI, Modinagar handed over the charge of M.O.R. IV Modinagar in the afternoon of 30-10-1978 to Shri M. N. Mathur and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-10-1978.

The 29th December 1978

No. 52/1978.—Shri S. N. Sethwani, Confirmed Asstt. Chief Accounts Officer, Group 'B' Kanpur handed over the charge of Asstt. Chief Accounts Officer in the afternoon of 30-11-1978 to Shri K. K. Dubey, Asstt. Chief Accounts Officer, Central Excise Kanpur and retired from Govt. Service in the afternoon of 30-11-1978 on attaining the age of superannuation.

No. 55/1978.—Shri M. D. Shukla officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur handed over the charge of Superintendent, Central Excise Group 'B' Kanpur in the afternoon of 30-9-1978 to Shri K. N. Gautam, Superintendent and retired from government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-9-1978.

The 2nd January 1979

No. 1/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/149/78 dated 1-6-1978 issued under endt. C. No. II-22-Et/78/27386 dated 1-6-78, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1100—EB—40—1200/- Shri Ram Tirath took over the charge of Supdt. Central Excise in Kanpur Division-I in the forenoon 16-8-1978.

The 9th January 1979

No. 3/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/149/1978 dated 1-6-1978 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/27386 dated 1-6-78, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- Shri Shanker Lal took over the charge of Supdt. (Tech.) I.D.O., Saharanpur in the forenoon 12-6-1978.

No. 4/79.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/392/78 dated 28-11-1978 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/57941 dated 28-11-1978, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200/- Shri Ilai Rui Singh took over the charge of Superintendent, Central Excise 'B' in M.O.R. I, Shikohabad in the forenoon 20th December, 1978.

K. L. REKHI
Collector

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 10th January 1979

No. 27-E/M(80)/77-EC. II.—Shri J. T. Mamta, Executive Engineer, C.P.W.D., New Delhi, expired on 4-1-1979.

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
For Director-General (Works)

SOUTH EASTERN RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 5th January 1979

No. P/G/14/300C.—Shri K. K. Das, is confirmed as Assistant Controller of Stores (Class II) with effect from 2nd October, 1969 in the Stores Department.

M. S. GUJRAL
. General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sintered Metal Products Limited*

Bombay, the 29th December 1978

No. 12093/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Sintered Metal Products Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Steelwel Surgical Company Private Limited*

Delhi, the 3rd January 1979

No. 4594/180.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Steelwel Surgical Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956,
In the matter of M/s Claycem Industries Pvt. Ltd.*

Delhi, the 8th January 1979

No. Co. Lign/6546/537.—By an order dated the 23-5-1978 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Claycem Industries Private Limited has been ordered to be wound up.

P. S. MATHUR
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jullundur Auto Spares Private Limited*

Jullundur, the 9th January 1979

No. G/Stat/560/2642/10576.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jullundur Auto Spares Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bans Bros Chit Fund & Financiers Private Limited*

Jullundur, the 11th January 1979

No. G/Stat/560/3283/10643.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bans Bros Chit Fund & Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eureka Exports Private Limited*

Jullundur, the 15th January 1979

No. G/Stat/560/3671/10716.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Eureka Exports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Polyam Packages Private Limited*

Hyderabad, the 4th January 1979

No. 1311/TA/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Polyam Packages Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Monalissa Savings & Finance Private Limited
(In Liquidation)*

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Gauhati, the 6th January 1979

No. 1520/C. Lign/445/78.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Gauhati dated 6th January, 1978 Passed in C.P. No. 8 of 1975 the Company Monalissa Savings & Finance Private Limited was wound up.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies,

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Dilli Collieries (Assam) Limited (In Liquidation)*

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Gauhati, the 6th January 1979

No. 1143/C. Lign./445/77.—Notice is hereby given that by an Order of the High Court of Judicature at Gauhati dated 2nd day of December, 1977 passed in C.P. No. 3 of 1976 the Company Dilli Collieries (Assam) Limited was wound up.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies,
Assam, Arunachal Pradesh, Meghalaya,
Mizoram, Manipur, Nagaland & Tripura,
Shillong.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 5th January 1979

INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/I/78-89/36742.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125 A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T., Delhi-I hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, Company Circle-XVI, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-E.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-I also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 5-1-79.

No. JUR-DLI/I/78-79/36883.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein shall perform all the function of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction

of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule :—

2. Chartered Accountants' Circle New Delhi.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Range-I-F, New Delhi

I. Company Circle-XVI and
XX, New Delhi.

SCHEDULE

Range

I.T. Distt./Circle

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Range-I-A, New Delhi

1. Company Circles-III, XII,
XIII and XXIII, New
Delhi.

This notification shall take effect from 5-1-1979.

K. N. BUTANI
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi.

FORM ITNS

(1) Shri C. Appu S/o Chinnandi
Melkundah, Ootacamund.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th December 1978

Ref. No. 4691.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. Nos. 311/5 and 336/3, situated at Hullathy Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at OOty (Doc. No. 644/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in R.S. Nos. 311/5 and 336/3 of Hullathy Village (Total 3.48 Acres) (Doc. No. 644/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-12-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 30th December 1978

Ref. No. 4716.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1B, Raja Annamalai Chettiar, situated at Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 706/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. Ramkumar, S/o late Dr. Krishnamurthy
St. Mary's Road, Prithiview Avenue,
Madras.

(Transferor)

(2) Smt. M. Mirzath Begam, W/o Sri Shahul Hameed
D. No. 14, 2nd St., Sivananda Nagar Colony,
Coimbatore.

(Transferee)

(3) Shri K. P. Paul, Managing Partner,
Popular Automobiles, Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1-B, Raja Annamalai Road,
Coimbatore (Doc. No. 706/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 30-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 6267.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3/146, Annamalai, situated at (Mount Road), Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 459/78) on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Indian Wire Product Industries,
No. 104, Nainiappan Naicken St.,
Madras-3.

(Transferor)

(2) Shri Pravin M. Aiana, No. 8, Iamech Avenue,
Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3/146, Anna salai (Mount Road), Madras-6. (Doc. No. 459/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 10-1-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Mrs. Stimpson,
 (2) Mrs. O. Wrightman
 (3) Allen M. Acphersan,
 3/146, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Shri Pravin M. Aiana,
 No. 8, Lamech Avenue, Madras-31.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 6267.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3/146, Annasalai, situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 460/78) on May 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 3/146, Annasalai, Madras-6.
 (Doc. No. 460/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHIY
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—446GI/78

Date : 10 Jan. 1979
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. R. Shakuntala Ammal, W/o. S. T. Radha-Krishna Chettiar, 279, Big Bazar St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. V. Seethalakshmi W/o. C. G. Venkutraman, 9, Ansari St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Re. No. 4683.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.S. Nos. 226, 227 and 228, situated at Komarapalayam, Coimbatore Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 515/78 on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at G.S. Nos. 226, 227 and 228 Komarapalayam Village, Coimbatore.

(Doc. No. 515/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-1-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Rayappa Chettiar, S/o Kuppanna Chettiar
27, Othachakkara St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shrimati R. Narayani Ammal, W/o. Rajan,
317, Raja St., Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 4678.—Whereas, I T. V. G. Krishnamurthy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28/27, Othachakkara St., situated at No. 1, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1003/78) on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 28/27, Othachakkara St., No. 1, Coimbatore.

(Doc. No. 1003/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Kandaswamy S/o Raman Chettiar,
27, Othachakkara St., No. 1,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati R. Narayani Ammal W/o. Rajan,
317, Raja St., Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 4678.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 28/27, Othachakkara St., situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Coimbatore (Doc. No. 1002/78) on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 28/27, Othachakkara St., Coimbatore (Doc. No. 1002/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 10-1-79
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. T. Radhakrishnan, S/o. Thandayudhapani Chettiar, 279, Big Bazar St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri V. Ganesan, S/o. C. G. Venkatraman, 9, Ansari St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 4681.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNA-MURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G.S. Nos. 226, 227 & 228, situated at Komarapalayam, Coimbatore Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 514/78) on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

THE SCHEDULE

Land and building at G.S. Nos. 226, 227 and 228 Komarapalayam Village, Coimbatore.
(Doc. No. 514/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 10-1-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 8218.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 153 and 152D, Azad Road, situated at Thiruvanur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagapattinam (Doc. No. 820/78) on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri P. S. P. Thiagaraja Nadar, P. S. P. Thiagaraja Nadar S/o Periyappa Nadar,
152D, Azad Road, Vaiyapuram,
Thiruvanur.

(Transferor)

(2) (1) K. S. Abdul Majid S/o, K. Shaik Dawood.
(2) Smt. Jainambu Gani W/o K. S. Abdul Majid
2/65, Middle St., Kudur, Thiruvanur Tk.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 153 and 152D, Azad Road, Thiruvanur.
(Doc. No. 820/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 10-1-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Anthoni Annal W/o. Adaikalam Pillai,
B-75, Salai Road, Thillainagar,
Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Rameswari Nallaswamy W/o. Nallaswamy,
75/A2, Salai Road, Thillainagar,
Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 10th January 1979

Ref. No. 8207.—Whereas, J. T. V. G. KRISHNA-MURTHY (

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 75/3 Chinthamani, situated at Thillainagar, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 835/78 on May 1978) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 75/3, Chinthamani Thilla-nagar, Trichy (Doc. 835/78).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006,

Date : 10-1-79

Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Shri Jaspal Singh, Naunihal Singh ss/o Bhan Singh S/o Sher Singh, V. Lohgarh, Tch. Nakodar.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Sadhu Singh, Sucha Singh ss/o Santa Singh s/o Natha Singh V. Sangowal, Tch. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 454/NHP/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Lohgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakodar on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the **Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the **Official Gazette**.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 72K in village Lohgarh as per sale deed No. 817 dated 14-6-78 registered with the S.R. Nakodar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 6-12-78.

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Romesh Dutt s/o Paras Ram s/o Jai Ram Dass
r/o Kakon, Teh. Hoshiarpur
(Transferor)

(2) Shri Gian Chand s/o Babu Singh s/o Nathu Ram
r/o Bassi Khawaju, Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39K & 19M in village Kakon
as per sale deed No. 1766 dated 6-7-78 registered with the
S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
15—446GT/78

Dated : 6-12-78.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbans Singh d/o Smt. Sada Kaur d/o Punjab Kaur V. Muradwala Dal Singh, Fazilka.
(Transferee)

(2) Shri Bachitter Singh s/o Waryam Singh s/o Wazir Singh r/o Murad Wala Dal Singh, Fazilka.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 456/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Muradwala Dalsingh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilak on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40K in village Murad Wala Dal Singh as per sale deed No. 709 dated 1-6-78 registered with the S.R. Fazilka.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-12-78.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Balwant Kaur w/o Bhag Singh s/o Atma Singh, V. Danewal, Nakodar.
(Transferor)
- (2) Shri Dharam Singh s/o Teja Singh s/o Mall Singh V. Parjyan Khurd, Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE PNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 457/NKD/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said' Act), have reason to believe that
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per Schedule situated at Narangpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Nakodar on June 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 90K & 11M in village Narang-
pur as per sale deed No. 413 dated 7-6-78 registered with
the S.R. Nakodar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 6-12-78.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Sohan Singh s/o Jagan Nath s/o Fateh Singh V. Jiwa Arian, Ferozepur.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 458/GHS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Jiwa Arian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurunarsahai on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ram Lubhaya, Harbhajan Lal Jaswant Rai s/o Jeewa Ram s/o Sawan Ram V. Jeewan Arian. (Transferees)
(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60K-2M in village Jeewan Arian as per sale deed No. 235 dated 29-5-78 registered with the S.R. Guruhar Sahain.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Dated : 6-12-78.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Gurdial Singh s/o Nathu V.P.O. Bharta Kalan
Teh. N/Shehar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 459. NWS/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per Schedule situated at Rahon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Nawanshehar on June 1978

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) S/Sh. Sukhdev Singh, Malkiat Singh ss/o Nazau
Singh r/o V.P.O. Rahon, N/Shehar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56K & 7M in village Rahon
as per sale deed No. 911 dated 1-6-78 registered with the
S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 7-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 460/MGA/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mandir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Gurnam Singh, Gurbachan Singh ss/o Smt. Gurdev Kaur, Hardev Kaur d/o Chanan Singh s/o Ram Singh V. Mandir Teh. Zira.
(Transferor)

(2) S/Sh. Buta Singh, Kundan Singh ss/o Budh Singh V. Mandir, Zira.
(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 74 Kanals in village Mandir as per sale deed No. 583 dated 24-5-78 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :—

Dated : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 461/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Gobindpura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Kishna d/o Kala Singh s/o Mall of Gobindpura. (Transferor)
- (2) S/Sh. Gurcharan Singh, Mukhtiar Singh ss/o Buta Singh s/o Ishar Singh r/o Gobindpura. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49K & 15M in village Gobindpura as per sale deed No. 234 dated 18-5-78 registered with the S.R. Nathana.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated : 7-12-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th December 1978

Ref. No. AP 462/MNS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Matti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Hakeek Sings s/o Ishar Sings s/o Sandhu Singh r/o Budhalada.

(Transferor)

(2) S/Sh. Ram Krishan & Ram Lal s/o Parme Nand s/o Fateh Chand r/o Bhikhi (Mansa).

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 125 Kanals & 8 Marlas in village Matti as per sale deed No. 838 dated 24-5-78 registered with the S.R. Mansa.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 7-12-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jangir Kaur d/o Jai Kaur wd/o Sunder Singh
r/o Kot Shamir,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Harbhajan Singh, Harmail Singh, Mota Singh
ss/o Karnail Singh s/o Bakshi Singh, V, Katar Singh
Wala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 463/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Shamir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 46K & 6M in village Kot Shamir as per sale deed No. 1183 of May '78 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—446GI/78

Dated : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 464/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kotshamir (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parsin Kaur d/o Jai Kaur, V. Kotshamir, BTI.
(Transferor)

(2) S/Shri Harbhajan Singh, Harmel Singh, Mota Singh, Surjant Singh ss/o Karnail Singh, Katar Singh Wala.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46K & 6M in village Kotshamir as per sale deed No. 1182 of May 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Rachpal Singh, Swarn Singh, Avtar Singh ss/o Raghbir Singh V.P.O. Narur, Phagwara, (Transferor)
- (2) Sh. Gurdev Singh s/o Mota Singh r/o Guru Teg Bahadur Nagar, Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA
Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 465/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Prempur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 61K & 11M in village Prempur as per sale deed No. 223 of May 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Suresh Kumar s/o Hans Raj & Chander Kanta
wd/o Hans Raj V.P.O. Urpur, Nawanshchar.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sh. Hirdepal Singh s/o Davinder Singh V.P.O.
Garh Padhana, Nawanshehar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP/466/NWS/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
as per Schedule situated at Urpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nawanshchar on May 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 83K & 5M in village Urpur
as per sale deed No. 480 of May 1978 registered with the
S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Sh. Sadhu Singh, Jangir Singh, Charan Singh, Nazar Singh s/o Paul Singh s/o Kalu, V. Uchha, Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 467/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Uchha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. S/Shri Salwinder Singh, Balwant Singh ss/o Mukhtiar Singh s/o Hukam Singh, V. Uchha, Kapurthala, (2) S/Shri Balbir Singh, Lakha Singh, Gurdev Singh ss/o Bhan Singh s/o Surain Singh, V. Warpaul, Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17M as per sale deed No. 429 of May, 1978 registered with the S. R. Kapurthala.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 468/BTI/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at Bucho Kalan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Nathana on May 1978
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Gurdit Singh s/o Kishan Singh, V. Bhuchoo Kalan.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Jagroop Singh, Hakam Singh, Pargat Singh s/o Pritam Singh s/o Jawahar Singh, Gurcharan Singh Ajaib Singh, Malkeet Singh etc. V. Bhuchoo Kalan.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60K & 1M in village Bhuchoo Kalan as per sale deed No. 125 of May 78 registered with the S.R. Nathana.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 469/GRM/78-79.—Whereas, I,
 P. N. MALIK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per scheduled situated at Jhajowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garhshanker on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Sh. Deva, Hansa ss/o Attra s/o Bana, V. Jhajowal Teh. Garhshanker. (Transferor)
- (2) S/Sh. Hari Singh, Kishan Singh ss/o Mehar Chand Surinder Singh, Kamal Jeet Singh ss/o Pritam Singh, V. Jhajowal Garhshanker. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 86K & 15M in village Jhajowal as per sale deed No. 510 of May 78 registered with the S.R. Garhshanker.

P. N. MALIK,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Sh. Charan Dass, Lachhman Dass, Ram Partap, Chaud Ram s/o Kishori Lal, Vill. Mundki, (Transferor)

(2) Sh. Surjeet Singh s/o Teja Singh, V. Mallwal, Teh. Ferozepur. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 470/FZR/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
As per schedule situated at Mallwal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ferozepur on May 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44K & 74M in V. Mallwal
as per sale deed No. 440 of May '78 registered with the
S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Gonda Ram, Baboo Ram ss/o Munshi Ram
s/o Wazira Mal V. Gehri Butter.

(Transferor)

(2) S/Sh. Hargobind Singh, Mohinder Singh ss/o Man-
gal Singh s/o Trilok Singh, V. Gehri Butter.

(Transferee)

(3) As per Sl. No 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 471/BTI/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per schedule situated at Gehri Butter
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
at Bhatinda on May 1978
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reasons to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 118K & 11M in village Gehri
Butter as per sale deed No. 837 of May 78 registered with
the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
17—446GI/78

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 472/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gehri Butter (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) S/Sh. Budh Ram, Hans Raj s/o Munshi Ram s/o Wazir Mal, Maghi Ram s/o Rikhi Ram s/o Munshi Ram, V. Gehri Butter. (Transferor)
- (2) S/Sh. Joginder Singh, Mohinder Singh s/o Mang Singh s/o Trilok Singh, V. Gehri Butter. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 118K & 11M in village Gehri Butter as per sale deed No. 836 of May '78 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 473/KPR/78-79.—Whereas, I,

P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Uchha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Krishan Lal s/o Lahori Ram, V. Uchha Kapurthala.
(Transferor)

(2) S/Sh. Manjeet Singh, Kuldeep Singh, Charanjit Singh s/o Mohinder Kaur wd/o Ishar Singh, Uchha, Teh. Kapurthala.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 82K & 4M in village Uchha as per sale deed No. 561 of May 78' registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 474/BII/78-79. —Whereas, I,
P. N. MALIK,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Bihar, Patna
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at Kalyan Sukha
situated at Mohalla Mundichak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Nathana on May 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
income or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purpose of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following namely:—

- (1) Smt. Purnam Kaur d/o Nand Kaur V. Kalyan
Sukha.
(Transferor)
- (2) Sh. Baljeet Singh s/o Bhag Singh s/o Gurdial Singh
V. Kalyan Malka, Nathana.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property
(Transferee))
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77K & 11M in village Kalyan
Sukha as per sale deed No. 321 of May 78' registered with
the S.R. Nathana.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sajjan Singh s/o Gobind Singh r/o Maheru, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Nazar Singh s/o Waryam Singh r/o V. Maheru Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned known interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 475/PHG/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinbelow referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Maheru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 54K & 14M in village Maheru as per sale deed No. 178 of May 78' registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 476/NWS/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nawashehar on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jagat Singh s/o Hira Singh, V. Rahon, Nawanshehar.
(Transferor)
- (2) Sh. Kashmir Singh s/o Mangal Singh, V. Rahon, Nawashehar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35K & 7M in village Rahon as per sale deed No. 861 of May, 1978 registered with the S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 477/BRM/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at Rampur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Garshanker on May 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Ram Tirath s/o Baba s/o Kitpa & Daya Wati
wd/o Bela Brahaman, V. Rampur, Garshanker.
(Transferor)
- (2) S/o Surinder Singh, Ajit Singh, Surjeet Singh s/o
Kikkar Singh s/o Swarn Singh, V. Goraya, Teh.
Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 192K & 12M in village Rampur as per sale deed No. 476 of May 78' registered with the S.R. Garshanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 478/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- As per schedule situated at Urpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Sh. Sudesh Kumar s/o Hans Raj V. Urpur, Nawanshehar.
(Transferor)
- (2) Sh. Gurjit Singh s/o Davinder Singh, V. Garh Pudhiana Nawanshehar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 78K & 10M in village Urpur as per sale deed No. 713 of May 1978 registered with the S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. 479/MGA/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Malanwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zira on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 18—446GI/78

(1) Sh. Kirpal Singh s/o Veer Singh s/o Nand Singh
 r/o Mallanwala, Zira.
 (Transferor)

(2) Sh. Tehal Singh s/o Arbel Singh s/o Mangal Singh
 r/o Mallanwala, Zira.
 (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64K & 1M in village Mallanwala as per sale deed No. 514 of May 78 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
 Seal

FORM ITNS—

(1) Sh. Gurditta Mal s/o Karam Chand s/o Khewa Ram r/o Ali Mohalla, Jullundur.
(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh s/o Uppal Singh s/o Jawala Singh r/o V. Bolcena, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AP 480/HSP/78-79.—Whereas, I,

P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Talwandi Kanooon Goian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 61K 8M in village Talwandi Kanooon Goian as per sale deed No. 589 of May 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-12-78
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 481/FZR/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
 being the Competent Authority under section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 As per schedule situated at Malwal
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Ferozepur on May 1978
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) S/Sh. Joginder Singh, Inder Singh, Balkar Singh
 ss/o Bahal Singh, V. Mundki.

(Transferor)

(2) Sh. Surjeet Singh s/o Tej Singh V. Malwal, Feroze-
 pur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44K & 7½M in V. Malwal as
 per sale deed No. 651 of May 78' registered with the S.R.
 Ferozepur.

P. N. MALIK,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78

Seal

FORM ITNS

(1) S/Sh. Mohinder Singh, Nirmal Singh, Bhajan Singh, Balbir Singh s/o Amar Singh, V. Ranraipur,
(Transferor)

(2) S/Sh. Kashmir Singh, Harjinder Singh, Parshotam Singh s/o Ajit Singh, v. Sabhojpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th December 1978

Ref. No. AP 482/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Sabhjopur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38K & 11M in village Sabhjopur as per sale deed No. 516 of May 78' registered with the S.R. Nawanshehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-12-78
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Mejo d/o Sant Singh s/o Bhag Singh r/o Banawala, Fazilka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 483/FZK/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Banawala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sh. Baljinder Singh s/o Mukhtiar Singh s/o Ujagar Singh r/o Banawala, Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63K & 18M in village Banawala as per sale deed No. 279 dated 2-5-78 registered with the S.R. Fazilka.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 6-12-1978
Seal:

FORM ITNS

(1) Miss Mohinder Kaur alias Maninder Singh d/o Dhian Singh s/o Gurinukh Singh, V. Baho Sariam.
(Transferor)

(2) Sh. Gajendra Singh s/o Pahara Singh s/o Kheta Singh, V. Baho Sariam, Bhatinda.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 484/BTI/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority, under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Baho Sariam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Bhatinda on May 1978

for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property, and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 69K in village Baho Sariam
as per sale deed Nos. 1223 & 1234 dated 29-5-78 & 30-5-78
registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 6-12-1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property
by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons namely:—

FORM ITNS

(1) Sh. Balkar Singh, Basant Kaur w/o Tara Singh s/o Jagat Singh, V. Nurpur, Ferozepur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

(2) Sh. Rajinder Singh s/o Kulwant Singh s/o Kartar Singh, V. Butewala (2) Sham Singh s/o Rajwani Singh V. Killian Wali, Teh. Muktsar.
(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhatinda, the 6th December 1978

Ref. No. AP 485/FZR/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Nurpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36K & 131M in village Nurpur as per sale deed No. 643 dated 23-5-78 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 6-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 26th December 1978

Ref. No. AP 486/HSP/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-** and bearing No.
 As per schedule situated at Hoshiarpur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Hoshiarpur on May 1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Girdhari Lal s/o Gopal Das, Nirankari Colony Phagwara,
 (Transferor)
- (2) Sh. Surinder Singh s/o Rajinder Singh, V. Jaja Teh. Hoshiarpur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi No. B III S.I./114 on Sutehri Road, Hoshiarpur as per sale deed No. 335 of May 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 26-12-78
 Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 26th December 1978

Ref. No. AP 487/FZR/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Malwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ferozepur on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) S/Sh. Charan Das, Lachman Das, Ram Partap, ss/o Kishori Lal, V. Mundki, Ferozepur, (Transferor)
- (2) Sh. Jagir Singh s/o Teja Singh V. Malwal. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44K & 7 $\frac{1}{2}$ M in village Malwal as per sale deed No. 439 of May 78' registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 26-12-78
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th December 1978

Ref. No. AP/488/NSW/78-79.—Whereas, I,
P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at Ranas Kalan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Nihalsinghwala on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Sh. Bhag Singh s/o Smt. Bhagwan Kaur d/o Har-
nam Kaur V. Shakur, Tch. Ferozepur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Gurdev Singh, Tota Singh, Sukhdev Singh,
Amritjit Singh ss/o Babu Singh & Harnick Singh,
Bhai Singh, Jai Singh, Nirbhay Singh ss/o Karnail
Singh, V. Didar Wala, Nihal Singh Wala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24K & 13M in village Ranas
Kalan as per sale deed No. 218 of May 1978 registered with
the S.R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 20-12-1978,
Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 26th December 1978

(1) S/Sh. Joginder Singh, Inder Singh, Balkar Singh
ss/o Bahal Singh s/o Nanda Singh, V. Mundki,
Ferozepur.

(Transferor)

(2) Sh. Jagir Singh s/o Teja Singh s/o Mangal Singh
V. Malwal, Teh. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47K & 4M in village Malwal as per sale deed No. 652 of May 1978 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 26-12-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dal Chand s/o Manak Lal Suwala, Surajpole
Near Apsra Hotel, Udaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shankar Lal S/o Modilal Tell
Nayapura, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/472.—Whereas, I HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 4th May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

One Shop situated at ground floor of the building known as Apsra Hotel Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar Udaipur vide registration No. 863 dated 4-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-78.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dal Chand s/o Manak Lal Sualka,
Apsara Hotel, Udaipur.
(Transferor)

(2) Shri Devi Lal son of Shri Udai Lal Teli
Teliwara, No. 23, Udaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/470.—Whereas, I HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 8-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop situated in the building known as Apsara Hotel, Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 899 dt. 8-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-78.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Dal Chand s/o Manak Lal Suwalka, Surajpole
Near Apsra Hotel, Udaipur.
(Transferor)

(2) Shri Devi Lal S/o Udal Lal & Smt. Bhanwari Bai
Teli, Teliwara No. 23, Udaipur
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/471.—Whereas, I HARI SHANKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 12 May, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop situated in the building known as Apsara Hotel Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar, Udaipur vide registration No. 955 dated 12-5-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-11-78.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Basanti Devi widow of late Shri Kanhaiyalal Patni, 33, Armanian Street, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nathu Lal Khandelwal, Rasta Khurra Jagannath Shah, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj./IAC(Acq).—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. — situated at Jaipur and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house situated upon plot No. 2 Truck Stand Scheme, Agra Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1079 dated 10-5-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-78.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th November 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, HARI SHANKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Basanti Devi widow of late Shri Kanhiyalal Patni, 33, Armanion Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpadevi w/o Shri Nathulal Khandelwal Rasta Khurra Jagannath Shah Ramgang Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house situated upon plot No. 2 Truck Stand Scheme, Agra Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1080 dated 10-5-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-11-78.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/96.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land No. 115/12, 15, 14, 16, 115/5/2 Min 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17, 18, 23, 24, 4/12 Jhabal Kalan, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—446GI/78

- (1) Shri Avtar Singh s/o Shri Ujjagar Singh, Village Jhabal Kalan Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) S. Shri Jaswant Singh s/o Shri Atma Singh, Lakhwinder Singh, Sukhjinder Singh, Harpal Singh Sons of Shri Jaswant Singh, P.O. Kala Ghanupur, Tehsil Amritsar, Dist. Amritsar Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 108 Kanals vide No. 115/12, 15, 14, 16, 115/5/2 Min 6, 7, 8/1, 9/1, 3/2, 13, 17, 18, 23, 24, 4/1 situated in village Jhabal Kalan Tehsil Jhabal Kalan Distt. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 264 of June, 1978 of Registering Authority, Jhabal Kalan.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR-78-79/95.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at V. Jhabal Kalan, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurdip Kaur w/o Shri Ujjagar Singh, R/o Village Jhabal Kalan, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Parsen Kaur w/o Sh. Jaswant Singh, R/o Kala Ghanupur, Tehsil Amritsar, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10K-9M situated in village Jhabal Kalan Tehsil Taran Taran Distt. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 265 of June 1978 of Registering Authority Jhabal Kalan, Distt. Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/94.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land No. 115/19, 22 Village Jhabal Kalan, Teh. Jhabal Kalan Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jhabal Kalan on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Avtar Singh s/o Shri Ujjagar Singh, R/o Village Jhabal Kalan, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Shri Harnam Singh, R/o Village Jhabal Kalan, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 16 Kanal vide Khasra No. 115/19, 22 in village Jhabal Kalan tehsil Jhabal Kalan District Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 364 of June, 1978 of Registering Authority, Jhabal Kalan.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Prop. D. N. Gand s/o Shri Amin Chand Gand,
S-408, Greater Kailash,
New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Dulari Sehgal w/o Shri Raghunath Sehgal,
R/o Bazar Sabuniann, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/93/—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Shop No. 90/2-1 and 107-108 2-1 Bazar Sabunian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 90/2-1 and 107-108/2-1, Bazar Sabunian Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 585 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-12-1978
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/92.—Whereas, I, N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 166 situated at Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on May, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sudarshan Kumar s/o Shri Daulat Ram, R/o 166, Race Course Road, Shashtri Nagar, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Kundan Lal and Shri Charanjit ss/o Shri Daulat Ram, r/o 166-A, Shashtri Nagar, Race Course Road, Amritsar
(Transeree)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kothi No. 166 Shashtri Nagar, Race Course Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 611 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-12-1978

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd December 1978

(1) Shri Bhupinder Singh, Shri Gurcharan Singh,
ss/o Shri Pritam Singh
R/o Hussainpura, Gali No. 3,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh s/o Shri Gurcharan Singh
Kot Harnam Dass, East Mohan Nagar,
Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property Khasia No. 2050/178, 191, situated on main G.T. Road, about 300 feet beyond link road to East Mohan Nagar Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 570 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 22-12-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd December 1978

Ref. No. ASR/78-79/98.—Whereas, I. N. P. SAHNI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property Khasra No. 2050/178, 191 situated at main G.T. Road, about 300' beyond link road East Mohan Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar on May, 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) S/Shri Balbir Singh, Gurdeep Singh
ss o Shri Pitam Singh,
R/o Hussainpura, Gali No. 3.
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Harjeet Singh
R/o 40 East Mohan Nagar,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House building total area of 355 sq. yds. situated at Sultanwind, G.T. Road, opposite Jullundur Octroi, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 571 of May, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 22-12-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

(1) Shri Gurpal Singh
Adopted son of Major Harinder Singh
R/o Raja Sansi, Teh. Ajnala,
Distt. Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Parveen Kaur
W/o Shri Harjinder Singh
S/o Shri Mohan Singh,
Timber Merchant, Gard Bazar, Taran Taran,
Distt. Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/78-79/99.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/262-M.C. situated at Gard Bazar, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 12/262-M.C. situated in Gard Bazar, Taran Taran, Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 1046 of May, 1978 of Registering Authority, Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/100.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/262-M.C. situated at Gard Bazar, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Gurpal Singh
Adopted son of Major Harinder Singh
S/o Shri Raghubir Singh,
R/o Raja Sansi, Teh. Ajnala,
Distt. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Harjinder Singh
S/o Shri Mohan Singh,
Smt. Parveen Kaur W/o Shri Harjinder Singh,
Smt. Gursharan Kaur W/o Shri Mohan Singh,
Timber Merchant, Gard Bazar, Taran Taran,
Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 12/262-M.C. situated in Gard Bazar, Taran Taran, Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 868 of May, 1978 of Registering Authority, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
21—446GI/78

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/101.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/262-M.C. situated at Gard Bazar, Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Taran Taran in May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurpal Singh
Adopted son of Major Harinder Singh
S/o Shri Raghubir Singh,
R/o Raju Sansi, Tch. Ajnala,
Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harjinder Singh
S/o Shri Mohan Singh,
Timber Merchant, Gard Bazar, Taran Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in property No. 12/262-M.C. situated in Gard Bazar, Taran Taran, Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 4405 of October 1978 of Registering Authority, Tch. Taran Taran, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Harbans Singh s/o Shri Natha Singh, Village
Gharia Teh. Patti, Distt. Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/102.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land No. 174/17-2, 24-25, 173/21, 178/1/2-1/1, 177/4/2-5-7-4 in village Gharia Teh. Patti Dist. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Jasbir Singh s/o Sh. Tara Singh, Village Gharia Teh. Patti, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 50-K, 6 M in village Gharia Teh. Patti, Distt. Amritsar as mentioned by the Registering Authority Teh. Patti, Distt. Amritsar vide Registered Deed No. 877/1341 of June, 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-12-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Darshan Singh s/o Shri Hazara Singh Jat, Vill.

Bhoora Kohria Teh. Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/103.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land measuring 45-K, 10M in Vill. Ghurak Wind, Teh. Patti, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Charan Singh, Village

Ghurak Wind, Teh. Patti Distt. Amritsar.

(Transferee)

(2) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(3) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 K, 10M in village Ghurak Wind, Teh. Patti : Distt. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1245/1 of June, 1978 of Registering Authority Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Kundan Singh s/o Ujagar Singh r/o Mari Megha Teh. Patti Distt. Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/104.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agri. land vide Khasra No. 597 20-21, 77/5, 6, 15, 16, 17, 77/24-25 in village Mari Mehga Teh. Patti Distt. Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kashmir Singh, Harbans Singh sons Lakh Singh, Gurdip Singh s/o Shri Balak Singh r/o Vill. Mari Migha Teh. Patti, Distt. Amritsar.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64-K, 7 Marlas in village Mari Megha, Teh. Patti Distt. Amritsar vide Khasra No. 59/20, 21, 77/5, 6, 15, 16-17, 77/24-25 as mentioned by the Registering Authority of Tehsil Patti, Distt. Amritsar vide Registered Deed No. 866/773 of June, 1978.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1978

Ref. No. ASR/78-79/105.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at village Dalari, Teh. Patti, Distt. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti on June, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. Dayal Singh s/o Sh. Teja Singh r/o Village Dalari, Teh. Patti Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri S. Surjit Singh s/o S. Gurjeet Singh r/o Village Dalari, Teh. Patti : Distt. Amritsar.

(Transferee)

* (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

* (4) Any persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 41-K, 16 Marlas in village Dalari in Tehsil Patti, Distt. Amritsar as mentioned by the Registering Authority, Teh. Patti, Distt. Amritsar Vide Deed No. 864/670 of June, 1978.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-12-1978

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 11th January 1979

Ref. No. IAC/AcqIII/I-79/325/5282.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. H. No. 4426, Ward No. XVI situated at Gali No. 55-56, Block F, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I the property as aforesaid exceeds the apparent consideration apparent consideration and that the consideration is more than fifteen per cent of the consideration therefore by more than fifteen per cent of for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Daya Chand Gupta S/o Sh. Ram Kishan and Shri Nand Kishore Gupta S/o Shri Ram Karan R/o H. No. 4426, Gali No. 55-56, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi Goel W/o Sh. Ramdhari Goel and Smt. Kamla Devi Goel W/o Sadhu Ram Goel R/o 66/2240, Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed pucca built house bearing municipal No. 4426, Ward No. X VI, gali No. 55-56, Khasra No. 1376, area 50 sq. yds. Block 'F', Regharpura, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

East : Khasra No. 1377 property Prabhu Dayal.

West : Khasra No. 1375 property Mangla Ram.

North : Gali.

South : Gali.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range JI,
Delhi/New Delhi

Date : 11-1-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Ch. Rohtas S/o Ch. I.o Ram R/o Village Nangloi Jat, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th January 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/1-79/326/5282.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and No. 5681 sq. yds. land situated at Village Nangloi Jat on Kirari Road, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s Bawa Glue Manufacturing Co., 202, Katra Bari, Delhi (Fateh Puri) through its partner Shri Jatinder Pal Singh Bawa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 5681 sq. yds, part of Mustatil No. 6, Killa No. 11 and Mustatil No. 7, Killa No. 15, situated in the area of village Nangloi Jat on Kirari Road, Delhi State, Delhi.

North : Land of Vendor.

South : Property of M/s Hindustan General Industries.

East : Land of Shri Bhorn.

West : Property of M/s Bawa Glue Manufacturing Co.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-1-1979.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rohtas S/o Shri Leo Ram
R/o Village Nangloi Jat Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Bawa Glue Manufacturing Co., 202, Katia
Barian, Fateh Puri Delhi through its partner Shri
G. S. Gulati S/o Bhai Ganda Mal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 15th January 1979

Ref. No. IAC/Acq III/I-79/327/5282.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1850 sq. yds. land situated at Village Nangloi Jat, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 11-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1850 sq. yds. vide Mustafil No. 6 Killa No. 11 and Mustafil No. 7, Killa No. 15 situated in the area of Village Nangloi Jat Delhi State Delhi and bounded as under :—

North : Land of Ch. Rohtas (Vendor).
South : Factory of M/s Bawa Glue Manufacturing Co.
East : Land of Shri Bhoru.
West : Kirari Road.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

22—446 GI/78

Date : 15-1-1979,
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Jiwani Industrial Pvt. Ltd.
69, Najafgarh Road, Delhi through its Managing
Director Sh. Jiwani Lal Vuman
(Transferor)

(2) M/s India Export House Pvt. Ltd.
23, West Patel Nagar, New Delhi through its Director
Sh. Ashok Sachdev, s/o Sh. C. I. Sachdev.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4, 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th January 1979

Ref. No. IAC/Acq II/May-94. 3852 78-79 /5306.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 69 situated at Najafgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot bearing No. 69 measuring 12.41 acres, situated at Najafgarh Road, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 70.

West : Road.

North : Road.

South : Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 16-1-1979,

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rai Inder Nath Dusaj, s/o Sh. Raghunath Dass Dasuja, & Smt. Dhan Devi, w/o Sh. R. D. Dasuja, r/o C-6/7, Model Town Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. P. Bhansali, K. L. Bhansali, E. C. Bhansali, Ranjeet Bhansali, S. K. Bhansali & P. M. Bhansali, ss/o Sh. Bhinwaraj Bhansali, r/o A-25, C. C. Colony, Delhi-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II.

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th January 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/May-56/3822 78-79 /5306.—Whereas, I. R. B. I. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-22 situated at Banglo Road, Adarsh Nagar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 12-5-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 22, Block 'C' measuring 400 sq. yds. situated at Banglo Road, Adarsh Nagar, Delhi-33 and bounded as under :—

East : House on Plot No. 24.
West : Road.
North : Gali.
South :Road.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 16-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jayantilal Govindjibhai & Others of Sarvodaya Kelvani Samaj Rajkot Sarvajanik Trust, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Vasanthhai Vrajlalbhai Khokhani & Others of Rajkot Nagrik Sahakari Bank Pariwar Co-op. Housing Society Ltd., Nagrik Bhawan No. I, Dhebarbhni Road, Rajkot-360 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

No. Acq. 23-I-1713(742)/16-6 77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 460 Paiki situated at in between Kalawad Road & Raiya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot in May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open land adm. 3 Acre- 29 Gunhas bearing S. No. 460 Paiki situated in between Kalawad Road & Raiya Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide Sale deed No. 312/May, 1978 and as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dt.: 21-10-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shantaben Manjibhai;
Bedipara, Near Panjarapole, Tunk, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Chandulal Kalyanjibhai;
Lati Plot, Sheri No. 5, Rajkot.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1978

No. Acq.23-I-1760(764). 16-/677-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 123 Plot No. 249 palki situated at towards Wadhawa Road, Bedipara, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 123—Plot No. 249 palki admeasuring 236 sq. yds. situated at Crossing of Aji River Bridge, Bedipara, towards Wadhawan Road, Rajkot duly registered by registering officer, Rajkot vide sale deed No. 1636/1-5-1978 and as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 22nd December 1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pethalji Nathabhai Chavda,
of Junagadh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHIRWAD ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1978

No. 23-I-1729(744)/11-1/77-78 - Whereas, I, S. C. PARIKH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 16 in three pieces of 8400, 8400 & 9357 sq. mtrs situated at Village Sabalpur, Highway Rajkot Junagadh Road Junagadh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Junagadh on May 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Raimalbhai Rajabhai, Director of Nutan Solvent Industries Pvt. Ltd., Village Sabalpur, Junagadh Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Open land bearing S. No. 16 in three pieces of 8400, 9400 & 9357 sq. mtrs. situated at village Sabalpur, Dist. Junagadh duly registered by Registering Officer, Junagadh vide three separate sale deeds Nos. 732, 750 & 751 dated 22-5-1978, 23-5-1978 and 23-5-1978 respectively and as fully described in the said sale deeds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Dt. : 24-10-1978.
Seal

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Farshotam Madhaiji Je. hi,
 (2) Shri Ardinbhai Patel,
 Sipron Road, Keshod, Dist. Junagadh.

(Transferor)

(2) (1) Shri Manji Premji Patel,
 at Gellana, Tal. Keshod, Dist. Junagadh.

(2) Shri Maya Manji Patel,
 at Gellana, Tal. Keshod, Dist. Junagadh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
 HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1978

No. Acq. 23-I-1701(746)/11-2/77-78.—Whereas, I. S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 Lekh No. 6/99, building known 'Krishna Krupa' situated at Veraval Junagadh Road Keshod, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Keshod on 15-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Shri Krishna Krupa" bearing Plot No. 5, Lekh No. 6/99 on land adm. 330 26 sq. m. situated at Veraval Junagadh Road, Keshod duly registered by the Registering Officer, Keshod, vide Sale-deed No 647/15-5-1978 and as fully described therein.

S. C. PARIKH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 26-10-1978
 Seal :

FORM ITNS

(1) Ruxmaniben Jayantilal Bhogani,
Khojakhana Sheri, Morvi, Dist. Raikot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1978

No. Acq. 23-I-1704(751)/16-5 77-78.—Whereas, I. S. C. PARikh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 168—No. 8-10/100-1 situated at Varijipa, Prithviraj Para Plot, Morvi, Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Morvi on 1-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Morvi Lime Industries, through partners.
(1) Khodidas Karabhai.
(2) Mahadev Khodidas.
(3) Chaturbhai Khodidas.
(4) Bhagwanji Khodidas—all of
Shakti Plot Street No. 12 Morvi Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown building standing on land 4009 sq. ft. bearing plot No. 168—No. 8-10/100-1, situated at Varijipa, Prithviraj para/Plot Morvi, duly registered by registering officer, Morvi vide sale-deed No. 1695/1-5-78 and as fully described therein.

S. C. PARikh,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Manjuben Jekishandas Patel,
Netaji Subhas Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Nimisha Apartments Co-op. Housing Society,
through :—
Shri Rajendrakumar Baldevdas Gajjar,
B. No. 9, Shanti Shikhar Society,
Maninagar, Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1978

No. Acq. 23-I-1833(753)1-1/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F. P. No. 744 + 745, Sub-Plot No. 2-A, situated at TPS No. 3 Ellisbridge, Ambawadi, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 847 sq. yds. bearing No. S.P. No. 2-A, of F.P. No. 744 & 745, situated at TPS-3, Ellisbridge, Ambawadi, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4886 dated 18-5-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-11-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

23—446GII/78

FORM: ITNS

(1) Ruxmaniben Ratilalbhai Parekh,
Sheri No. 4-5, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Kantalaxmi Savailalbhai Parekh
'Deepak' 4-5, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1978

No. Acq. 23-I-1712(754)/16-6/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building known as Deepak, Plot No. 36 situated at 4-5. Ramkrishnanagar, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ramkrishnanagar, Rajkot, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storied building known as "Deepak" standing on land admeasuring 233 sq. yds. situated at Sheri No. 4-5, Ramkrishnanagar, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2114 dt. 26-5-78.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dt : 21-11-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) Thakkar Ranchhoddas Nanajibhai,
364, Sigaretwala Building,
No. 36, Sardar Vallabhbhai Patel Road,
Bombay-400 004.

(Transferor)

(2) (1) Shri Vinodkumar Vachharaj Dholakiya,
(2) Smt. Hansaben Manilal,
Choksy Bazar, Junagadh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1978

No. Acq. 23-I-1699(755)/11-I/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 363 situated at Gandhigram Colony Shishumangal Road, Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 24-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 500 sq. yds. bearing plot No. 363, situated at Gandhigram Colony, Shishumangal Road, Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 761 dated 24-5-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 28-12-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) Amco Industries through partner Shri Chandulal Vallabhdas Chudasma, 13, Karanpara, Rajkot.
 (Transferor)

(2) M/s Satyajit Industries through partner Shri Maganlal Ratnabhai Patel & Others,
 "Mani Prabha", Mavdi Plot, Rajkot.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2NR FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1978

No. Acq. 23-I-1715(758)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 401/4, Paiki Plot No. 29, & 30 bldg. known as "Mani Prabha" M/s Satyajit Industries, Mavdi Plot (Jasaniwala Plot), Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 2-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said' Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building standing on land adm. 934 sq. yd. bearing S. No. 401/1, Paiki Plot No. 29 & 30 situated at Bavdi Plot (Jasaniwala Plot), Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 1663/2-5-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-11-1978
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 30th December 1978

Ref. No. 4682.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 85, situated at (Plot No. 85/4) Telungupalayam Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 479/78) on May 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) R. R. Ayyar, S/o late C. Y. Ramakrishna Iyer, Shreyas, No. 8, Alagesan Road, S. B. Mission Post, Coimbatore-11.
- (2) R. Ramakrishnan, S/o R. R. Ayyar, Sundaram Clayton, Padi, Madras.
- (3) Dr. R. Jairam, M.B.B.S., S/o R. R. Ayyar, Royapettah Hospital, Madras and
- (4) Minor Rajesh, S/o R. Ramakrishnan, Sundaram Clayton, Padi, Madras.

(Transferor)

- (2) V. K. Anandan, S/o V. K. Kaliswamy Gounder, Landlord, Vellakinar Village, Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 85/4 in R.S. No. 85 of Telungupalayam Village, Coimbatore (Doc. No. 479/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-12-1978

Seal :

**ADMISSION TO THE TRAINING SHIP RAJENDRA AND
THE DIRECTORATE OF MARINE ENGINEERING
TRAINING, CALCUTTA/BOMBAY FOR THE ACADE-
MIC YEAR—1979**

A Combined Written Qualifying Examination will be held on 24th & 25th May 1979, for admission to the Navigation (One Year) and Marine Engineering (4 years) course in the above mentioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centre :—

EXAMINATION CENTRES

1. Ahmedabad
2. Bangalore
3. Bhopal
4. Bombay
5. Calcutta
6. Chandigarh
7. Cuttack
8. Delhi
9. Ernakulam
10. Gaubati
11. Hyderabad
12. Jaipur
13. Lucknow
14. Madras
15. Nagpur
16. Patna
17. Shimoga
18. Port Blair
19. Trivandrum
20. Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (1) English (One Paper) 3 hours—100 marks, (2) Mathematics (One Paper) 3 hours—100 marks, (3) Physics (One Paper) 3 hours—100 marks, (4) Chemistry (One Paper) 1½ hours—50 marks, and (5) General Knowledge (One Paper) 1½ hours—50 marks. On the basis of the result of the entrance examination, candidates will be called for a medical examination and an Interview before the Selection Board at Calcutta/Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and Interview.

Fifteen per cent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Caste and Five per cent for Scheduled Tribes for admission to T.S. Rajendra and Marine Engineering Training provided suitable candidates are available.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

(A) Candidate must have passed any one of the following examination :—

- (a) The Intermediate Science Examination conducted by a recognised Board of Education/University with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
- (b) Any other equivalent course i.e. 10+2 with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects approved by the Ministry of Education, Govt. of India.
- (c) Where the 3 years Degree Course can be taken up after 10+1 the first year of the Degree course with Mathematics Physics and Chemistry as separate subjects.

(d) First year examination of a 5 year integrated Technological/Engineering Degree Course after Higher Secondary Examination (10+1) conducted by I.I.Ts./Universities.

NOTE : 10+2 means a candidate must have studies for a period of 2 years and the course completed/passed the final year examination after obtaining S.S.L.C./S.S.C./Matriculation or its equivalent certificate.

(B) Candidates who have the minimum educational qualification as stated in para (A) above and who have appeared or intend to appear at the examination for a Degree in Science are also eligible to apply for admission.

AGE LIMIT

Candidates who have the minimum educational qualification, as stated in para (A) and (B) above must be within the age limit of 20 years on the 1st September of the year of entry i.e. must have been born on or after 1st September 1959. For the Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates the age limit will be higher by one year.

APPLICATION FORM

There is only one application form for T.S. Rajendra/D.M.E.T. course. Application form can be had on payment of Re. 1/- by a Crossed Indian Postal Order drawn in favour of Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay.

Application forms are available from the Executive Officer (Training), Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on submitting an application in writing enclosing Crossed Indian Postal Order of the value of Re. 1/- and a self-addressed envelope of 23 cms. by 10 cms. with 55 paise postal stamps. Complete postal address in Capital Letters should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the application for supply of application form should bear the words "REQUEST FOR R.JENDRA/DMET APPLICATION FORM" on the top left hand corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and details of fees, scholarships, etc. is obtainable on payment of Rs. 4/- by separate Crossed Indian Postal Order drawn in favour of the Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay. Separate application addressed to Executive Officer (Training) in the Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, should be made for supply of Prospectus with complete postal address in Capital Letters. Cover containing the application for supply of Prospectus should bear the words "REQUEST FOR PROSPECTUS" on the top left hand corner.

CLOSING DATE

Applications in the prescribed form complete in all respects from unmarried male candidates should reach the Executive Officer (Training) Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on or before the 31st March 1979. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application form by post will be closed on 24th March 1979.

O. P. MALHOTRA
Executive Officer
Directorate General of Shipping